दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 162 | ग्वालियर शुक्रवार, 31 मार्च 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

वेणुगोपाल स्वामी मंदिर में राम नवमी पर लगी भीषण आग

आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में स्थित वेणुगोपाला स्वामी मंदिर में राम नवमी के उत्सव के दौरान आग लग गई. मंदिर में राम नवमी के उत्सव के लिए पंडाल लगाया गया था. इस दौरान वहां शॉर्ट सर्किट के चलते इस पंडाल में आग लग गई. देखते ही देखते आग की लपटों ने पंडाल को घेरे में ले लिया. किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है. रिपोर्ट के मुताबिक आग लगते ही श्रद्धालुओं को पंडाल से बाहर निकाल लिया गया, जिसके चलते बड़ा हादसा होने से बच गया. फिलहाल अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है.

दिल्ली में चाइनीज मांझे से कटी महिला की गर्दन

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में काम से अपने घर गाजियाबाद लौट रही एक महिला की गर्दन चाइनीज मांझे से कट गई. महिला का नाम विंकी भारद्वाज है. विंकी भारद्वाज (36) स्कूटी चला रही थीं. तभी मांझा उनके गले में फंस गया. इससे पहले कि वो अपने दोपहिया वाहन को रोक पातीं. मांझे ने उनके गले में गहरे घाव कर दिए. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार की है. मंगलवार रात को उनको रात 8.20 बजे संत परमानंद अस्पताल से सूचना मिली कि शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के पास पतंग की डोर से एक महिला का गला काट गया है. अधिकारी ने कहा कि फोन करने वाले ने हमें बताया कि महिला की हालत गंभीर है और उसे वसुंधरा के एक अस्पताल में ले जाया गया है. अधिकारी ने बताया कि शाम 6.40 बजे विंकी फ्लाईओवर के पास पहुंची थी. तभी ये हादसा हुआ. वहीं अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि उनकी गर्दन के अंदरूनी हिस्से में 12 सेमी का घाव हो गया था. विंकी के पति सुमित चौधरी ने कहा कि वह मेट्रो में थे जब उन्हें फोन आया और इस दुर्घटना के बारे में बताया गया. चौधरी ने कहा कि मेरी पत्नी ने सबसे पहले डीआईएमटीएस में अपने सहयोगियों को फोन किया और उन्हें सूचित किया. वो मौके पर पहुंचे. उसके कपड़े खून से लथपथ थे. वो उसे अस्पताल ले गए. उन्होंने कहा कि उसकी सर्जरी की गई. उन्होंने कहा कि चीनी मांझे की बिक्री के खिलाफ सख्त कानून होना चाहिए. पुलिस उपायुक्त (पूर्वोत्तर) जॉय तिर्की ने कहा कि आईपीसी की धारा 336 और 337 के तहत शास्त्री पार्क पुलिस थाने में दर्ज किया गया है. साथ ही उन्होंने बताया कि, पीड़ित की हालत स्थिर है. बता दें कि दिल्ली में चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध है.

अब दिल्ली में रामचरितमानस को लेकर राजनीति चरम पर

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में पवित्र धर्म ग्रंथ रामचरितमानस को लेकर जारी आपत्तिजनक बयान पर विवाद के बाद अब दिल्ली में भी सियासत तेज हो गई है. बुधवार को दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के विधायक व सरकार में पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने महिला सुरक्षा मुद्दे पर बोलते हुए श्रीरामचरितमानस की चौपाई पर आपत्ति जताई. उन्होंने कहा कि इसमें निम्न वर्ग के लोगों के लिए मारने पीटने और त्यागने तक की बात कही गई है, जिसे कैसे स्वीकार किया जा सकता है. दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम के इस बयान के बाद बीजेपी पूरी तरह से हमलावर है. दिल्ली बीजेपी के वरिष्ठ नेता हरीश खुराना का कहना है कि एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का हिंदू विरोधी चेहरा सामने आ चुका है. गौतम के बयान से साफ है कि आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और दिखाई देती है. बता दें कि बजट सत्र के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने दिल्ली विधानसभा में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर रामचरितमानस पर आपत्तिजनक बयान देते हुए कहा कि प्राचीन धर्म ग्रंथ के चौपाई में एक विशेष जाति और महिला वर्ग को समाज से बहिष्कृत करने और उन्हें मारने पीटने तक की बात कही गई है. ऐसे में रामचरितमानस को कैसे स्वीकार किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि इस ग्रंथ के चौपाई में संशोधन करने की जरूरत है. इससे पहले बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य भी इस मसले पर अपत्तिजनक बयान दिया था. राजेंद्र पाल गौतम के इस बयान को लेकर एबीपी लाइव से बातचीत के दौरान बीजेपी प्रवक्ता खेमचंद शर्मा ने कहा की एक बार फिर से आम आदमी पार्टी का हिंदू विरोधी चेहरा सबके सामने आ चुका है. श्रीरामचरितमानस जिसको केवल सनातन संस्कृति ने नहीं बल्कि पूरे विश्व ने स्वीकार कर लिया है.

जहांगीरपुरी में तनाव, बिना इजाजत रामनवमी पर निकाला जुलूस

नई दिल्ली। दिल्ली के जहांगीरपुरी में करीब एक साल बाद एक बार फिर तनाव का माहौल है. खास बात यह है कि आज रामनवमी है और आज के ही दिन यह स्थिति उत्पन्न हुई है. यह स्थिति दिल्ली पुलिस द्वारा हर साल की तरह इस बार रामनवमी पर जुलूस नहीं निकालने देने की वजह से उठ खड़ी हुई है. पुलिस की इजाजत के बगैर कुछ संगठन रामनवमी पर जुलूस निकलाने पर अड़ गए हैं.

दरअसल, हर साल रामनवमी के अवसर पर देश के अन्य हिस्सों की तरह दिल्ली में भी हिंदू संगठनों के लोग जुलूस और शोभा यात्रा निकालते हैं. इस बार भी रामनवमी पर शोभा यात्रा निकालने के लिए हिंदू संगठनों ने दिल्ली पुलिस से इजाजत मांगी थी, लेकिन एक साल पहले हनुमान जयंती पर सांप्रदायिक दंगा होने की वजह से पुलिस ने शोभा यात्रा निकालने की अनुमति देने से धार्मिक संगठनों को मना कर दिया था. दिल्ली पुलिस के इस रुख से हिंदू संगठनों के लोग नाराज हो गए. उन्होंने पुलिस को संकेत दिया था कि गुरुवार के दिन शांतिपूर्ण तरीके से शोभा निकालेंगे. हिंदू संगठनों के मूड को भांपते हुए और एक साल पहले की घटना से सबक लेते हुए गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में भारी संख्या में सुरक्ष बल के जवानों को तैनात कर दिया. ताकि इस बार रामनवमी के अवसर पर कोई अनहोनी न हो. दूसरी तरफ हिंदू संगठनों के लोग शोभा यात्रा निकालने की जिद पर अड़े रहे और हर साल की तरह

इस बार भी वो शोभा यात्रा लेकर सड़कों पर निकल आए हैं. इस यात्रा में भारी संख्या में लोग शामिल हैं. शोभा यात्रा में शामिल लोग अपने-अपने संगठनों के बैनर और झंडे लि हुए हैं. लोग जय श्रीराम के नारे भी लगा रहे हैं. दिल्ली पुलिस ने लोगों को रोकने की कोशिश की है, पर लोग पुलिस की मर्जी के बगैर जुलूस निकाल रहे हैं. इस बीच दिल्ली पुलिस के अधिकारी और जवान शांति बनाए रखने की कोशिश में जुटे हैं. साथ ही लोगों से शोभा यात्रा रोक देने की अपील भी कर रहे हैं. फिलहाल, भारी सुरक्षा के बीच शोभा यात्रा जहांगीरपुरी में जारी है. बता दें कि करीब एक साल पहले यानी 16 अप्रैल 2022 को देश की राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में हनुमान जयंती के अवसर पर निकाले गए जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी. दो समूहों के झड़पों में 8 पुलिसकर्मियों और एक निर्दोष नागरिक को चोटें आई थीं. एक साल पहले की हुई हिंसक घटनाएं देश और दुनिया में सुर्खियों में भी रही. इस घटना ने इतना तूल पकड़ा था कि अदालती हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ. यही वजह है कि इस बार दिल्ली पुलिस ने जुलून निकालने की ही किसी को इजाजत नहीं दी है.

बीजेपी की वॉशिंग मशीन में कितने दागी-भ्रष्टाचारी नेता धुले

नई दिल्ली। बीजेपी आती है, तो भ्रष्टाचार भागता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी के बाद भ्रष्टाचार फिर से राजनीतिक के केंद्र में आ गया है. आजादी के बाद से ही भारत में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा रहा है और सभी पार्टियां इसे खत्म करने का दावा करती रही है. बीजेपी भी इससे अछूता नहीं है. पिछले दिनों सीबीआई और ईडी की कार्रवाई के खिलाफ 14 दलों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया तो खुद प्रधानमंत्री मोदी इसके बचाव में उतर आए. प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त नेता एक साथ एक मंच पर आ रहे हैं. कुछ दलों ने भ्रष्टाचारी बचाओ आंदोलन छेड़ा हुआ है, लेकिन एक्शन नहीं रुकेगा. प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद विपक्ष ने भी इस बार जोरदार पलटवार कर दिया. कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष ममता बनर्जी ने मंच पर

वाशिंग मशीन लगाकर बीजेपी पर तंज कसा. ममता ने कहा कि बीजेपी वाशिंग मशीन है और दागियों को धुलकर सफेद कर देती है. ममता ने इसका लाइव डेमो भी दिखाया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी ट्वीट कर मोदी सरकार पर निशाना साधा है. खरगे ने कहा कि विपक्ष के 95 फीसदी नेताओं पर ईडी और सीबीआई का केस दर्ज हुआ है, लेकिन जो नेता बीजेपी में शामिल हो जाते हैं उसका दाग धुल कर साफ कर दिया जाता है. आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं है, बल्कि वे कहते हैं कि बीजेपी में आकर भ्रष्टाचार करो. कांग्रेस, डीएमके, जेडीयू, राजद, तृणमूल कांग्रेस समेत 14 पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट में सीबीआई और ईडी एक्शन के खिलाफ याचिका दायर की है.

पीएम मोदी की राह पर सीएम गहलोत

नई दिल्ली। राजस्थान गुरुवार (30 मार्च) को अपना 74 वां स्थापना दिवस मना रहा है. इस खास मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार ने लाभार्थी उत्सव का आयोजन किया. सीएम गहलोत सरकार लाभार्थियों से सीधा संवाद कर रहे हैं. इसके अलावा राज्य सरकार चिरंजीवी योजना, बिजली सब्सिडी योजना, शहरी नरेगा, पशु बीमा योजना,अंग्रेजी स्कूल जैसी विभिन्न योजनाओं का लाभार्थियों के बीच गहलोत भ्रष्टाचार रोकने को लेकर अहम एलान भी करने सकते हैं. अशोक गहलोत ने जयपुर से सभी 33 जिलों के 355 ब्लॉक में करीब दो लाख लाभार्थियों से संवाद किया.

अमेरिका का ब्लैक हॉक हुआ हादसे का शिकार, 9 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ताकतवर मुल्क अमेरिका के दो अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टर ब्लैक हॉक दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं. ये हेलीकॉप्टर केंटकी में उड़ रहे थे, उसी दौरान टकराव के चलते उनमें आग लग गई. दुर्घटना में 9 लोगों की जान गई है. यूएस की लोकल मीडिया ने यह जानकारी दी. बता दें कि ब्लैक हॉक फ्रंट लाइन यूटिलिटी हेलीकॉप्टर है, जिसे अमेरिका ने वियतनाम युद्ध के दौरान मिले सबक के बाद तैयार किया. दुनियाभर में अमेरिका के कई मित्र देशों की स्पेशल फोर्सेस इस तरह के हेलीकॉप्टर इस्तेमाल करती हैं. ये हेलीकॉप्टर खास मिशन को अंजाम देने में कारगर माने गए हैं, क्योंकि इनकी स्पीड तेज होती है और इनमें तकनीक चीजें भी अधिक होती हैं. ब्लैक हॉक की रेंज 1,381 मील तक है. एक बार फ्यूल लोड करने पर ये सैकड़ों किमी तक उड़ सकते

हैं. इनकी लिफ्ट कैपेसिटी भी अच्छी बताई जाती है. अमेरिकी सेना का दावा है कि अपने बाहरी कार्गो हुक के साथ, ब्लैक हॉक 8,000 पाउंड वजन वाली वस्तुओं को उठा सकता है. इस हेलीकॉप्टर पर कई ऐसी गन भी फिट होती हैं, जिनसे कई किलोमीटर तक का टारगेट भेदा जा सकता है.

अतीक अहमद की उम्रकैद और लैंड क्रूजर का क्या है कनेक्शन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमेश पाल अपहरण केस में अतीक अहमद को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई है. ये वहीं उमेश पाल हैं जिन्हें बीते महीने यानी फरवरी को दिनदहाड़े मौत के घाट उतार दिया गया था. उमेश पाल साल 2005 में हुए बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल की हत्या के मुख्य गवाह थे. अतीक अहमद ने उमेश पाल का अपहरण 17 साल पहले किया था. उमेश पाल ने अतीक पर आरोप लगाते हुए कहा कि साल 2006 में अतीक ने कुछ लोगों के साथ मिलकर उनका अपहरण करवाया था. उमेश पाल ने उस वक्त भी तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती को पत्र लिख इस घटना की जानकारी दी थी. उन्होंने पत्र में लिखा, माननीय मुख्यमंत्री, आग्रह है कि उमेश पाल एक शांतिप्रिय नागरिक है और बहुजन समाजवादी पार्टी के एक सक्रिय कार्यकर्ता तथा जिला पंचायत सदस्य है. तारीख 25 जनवरी 2005 को अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ व अन्य लोगों ने शहर पश्चिमी के विधायक राजू पाल की हत्या की थी, मैं उस हत्याकांड का चश्मदीद गवाह हूं. हत्या का चश्मदीद होने के कारण उसे सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ से जान से मारने की धमकियां दी जाने लगी. इसके अलावा उसके पूरे परिवार को भी क्षति पहुंचाने की धमकी दी जाने लगी.

संभाजी नगर में हुई हिंसा पर एक्शन में महाराष्ट्र सरकार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के संभाजी नगर में हुई हिंसा के मामले पर अब राज्य सरकार सख्त हो गई है. उसने इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का मन बना लिया है. इसी को ध्यान में रखते हुए संभाजी नगर पुलिस ने हिंसा में शामिल लोगों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई के मूड में है. बताया जा रहा है, महाराष्ट्र के संभाजीनगर के किराडपुर में राम मंदिर के बाहर रात करीब साढ़े 12 बजे दो युवाओं के बीच हुई मामलू सी झड़प ने बड़ा रुप ले लिया और लोग इकट्ठा हो गए.

प्लास से आरोपियों के दांत उखाड़ने वाला आईपीएस अफसर सस्पेंड

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एक आईपीएस अधिकारी को आरोपी व्यक्तियों को हिरासत में लेकर प्लास से दांत निकालकर टॉर्चर करने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार (30 मार्च) को राज्य विधानसभा को बताया कि उन्होंने बलवीर सिंह को सस्पेंड करने का आदेश दिया है. स्टालिन ने सभा में बताया कि मजिस्ट्रियल जांच की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यूमन राइट्स के उल्लंघन पर समझौता करने के लिए पुलिस थानों में कोई जगह नहीं है. हिरासत में लेकर टॉर्चर के कई आरोप सामने आने के बाद तमिलनाडु सरकार ने आईपीएस बलवीर सिंह को उनके पद से हटा दिया था और उन्हें वेटिंग लिस्ट में डाल दिया था. तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के अंबासमुद्रम में सहायक

सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस के रूप में तैनात 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी बलवीर सिंह पर लगभग दस दिन पहले मारपीट के मामले में 5 आरोपियों को टॉर्चर करने का आरोप है. सिंह पर व्यक्तियों के प्लास से दांत निकालने और एक व्यक्ति के प्राइवेट पार्ट में भी नुकसान पहुंचाने के आरोप लगे थे. मारपीट के मामले में आरोपी जमानत पर बाहर हैं. उनमें से कुछ ने हिरासत में प्रताड़ना का आरोप लगाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया इसके अलावा सिंह पर कई लोगों ने आरोप लगाए हैं. बलवीर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा था, जिसके बाद उनपर एक्शन लिया गया है. वीडियो में पीड़िता चेल्लप्पा ने बलवीर सिंह से किए गए टॉर्चर के बारे में बताया था. इसके साथ ही पीड़ति ने पुलिस पर धमकी देने का भी आरोप लगाया है.

नशे की हालत में मां को मार दिया

नई दिल्ली। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है. एक युवक ने नशे में अपनी मां की रात के समय हत्या कर दी. घटना सोपोर के डांगरपोरा इलाके की है. परिजनों के मुताबिक उन्हें घटना की जानकारी तब हुई जब परिवार के सदस्यों ने देखा कि पीड़ति बिस्तर पर पड़ी है और बेटा गायब है. आरोपी एक ड्रग एडिक्ट बताया जा रहा है जिसे कई बार रिहैब किया गया था. हालांकि, वो फिर से ड्रग्स लेना शुरू कर देता था. इस बार भी वो कुछ दिन पहले ही पुलिस की हिरासत से रिहा हुआ है. पुलिस की समय पर कार्रवाई से अपराध करने के कुछ घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं महिला के शव को चिकित्सकीय-कानूनी औपचारिकताओं के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है.

डरा रहे कोरोना के आंकड़े! एक दिन में आए तीन हजार से ज्यादा मामले

नई दिल्ली। देश में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि देखी जा रही है. पिछले 24 घंटे में देश भर में कोविड के तीन हजार से अधिक मामले रजिस्टर किए गए हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी डेली रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की है. स्वास्थ्य मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, पिछले 24 घंटे में देश भर में कोविड के कुल 3016 मामले रजिस्टर किए गए हैं. पिछले 24 घंटों में कुल 1,396 लोग ठीक हुए हैं. वहीं कोविड के बढ़ते मामले की वजह से डेली पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 2.73त्न हो गया है तो वहीं कोविड से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर कुल 4,41,68,321 हो गई है. कोविड की शुरूआत से लेकर अब तक इसके कुल 92.14 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं पिछले 24 घंटों में कोविड के 1,10,522 टेस्ट किए गए हैं. देश भर में कोविड के कुल

सक्रिय मामले 0.03प्रतिशत है, और इससे संक्रमित होकर ठीक होने की वर्तमान दर 98.78 प्रतिशत है. स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश भर में अब तक कुल 220.65 करोड़ खुराकें लोगों को लगाई जा चुकी है. इन खुराकों में लगभग 118 कोरड़ खुराकें (95.6 करोड़ खुराकें सेकेंड डोज की हैं तो वहीं 22.65 करोड़ खुराकें प्रिकॉशन डोज है) दूसरे और प्रिकॉशन डोज की हैं. देश के अलावा अगर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आए कोविड के मामलों की बात करें तो यहां भी कोविड के मामलों में बढोतरी देखी गई है. बीते 24 घंटों में बुधवार को कोविड के 300 नए मामले सामने आये, जबकि संक्रमण दर बढ़कर 13.89 प्रतिशत हो गई. ऐसा पहला मौका है, जब देश में पिछले साल सितंबर के बाद कोविड के मामलों ने पहली बार 300 कोविड केस का आंकड़ा छुआ है.

सीलबंद व्हिस्की बैग में लेकर फ्लाइट में चढ़ा पैसेंजर

नई दिल्ली। अमेरिका में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है. यहां एक शख्स ने यूनाइटेड एयरलाइंस पर चोरी करने का आरोप लगाया है. शख्स ने दावा किया कि एयरलाइंस के लोगों ने उनकी व्हिस्की निकालकर पी ली. शख्स ने बताया कि जब उसने चेक इन किया था तब उसके लगेज में व्हिस्की की सील बंद बोटल रखी थी, लेकिन बाद में उसे बोतल खुली हुई मिली और और एक तिहाई खाली थी. अमेजन यूके पर व्हिस्की की कीमत 449.95 पाउंड (45,556 रुपये) है. जानकारी के मुताबिक शख्स का नाम क्रिस्टोफर एंबलर हैं. एंबलर ने महंगी ग्लेनमोरंगी ए टेल ऑफ केक व्हिस्की की बोतल की एक तस्वीर शेयर की जिसमें सील खुली हुई थी और थोड़ी सी व्हिस्की खाली थी.

पाकिस्तान जाने की फिराक में अमृतपाल

नई दिल्ली। पंजाब पुलिस से भागा-भागा फिर रहा खालिस्तानी नेता और वारिस पंजाब दे का मुखिया अमृतपाल सिंह पाकिस्तान भागने की फिराक में है. पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई अमृतपाल को पंजाब से निकालकर पाकिस्तान पहुंचाने की फिराक में है. खुफिया अलर्ट के बाद पंजाब से सटी पाकिस्तान की सीमा पर फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस पर बीएसएफ और सेकंड लाइन ऑफ डिफेंस पर पंजाब पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है. 18 मार्च को पंजाब पुलिस ने अमृतपाल और उसके खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ अभियान शुरू किया था. तब से अमृतपाल फरार है. फरारी के दौरान वह लगातार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के संपर्क में रहा है. आईएसआई के साथ संपर्क में रखने में उसका सहयोगी और साथ में ही फरार चल रहा पप्पलप्रीत सिंह जरिया बना हुआ है. अमृतपाल पहले नेपाल के रास्ते आईएसआई के शेल्टर में जाने की कोशिश में था, लेकिन ये मिशन नाकाम हो गया. जिसके बाद वह एक बार फिर वापस पंजाब लौट आया है. यहां पुलिस उसे पकड़ने के लिए सर्च अभियान चलाए हुए है. दरअसल आईएसआई के इशारे पर अमृतपाल सिंह और उसका खासमखास पप्पलप्रीत सिंह नेपाल

सीमा तक पहुंचे थे. यहां दोनों को नेपाल सीमा में प्रवेश करना था. जिसके बाद आईएसआई के स्लीपर सेल की मदद से अमृतपाल और पप्पलप्रीत को किसी दूसरे देश के आईएसआई के शेल्टर हाउस में भेजा जाना था. भारत सरकार की सख्ती की वजह से अमृतपाल भारत-नेपाल सीमा पार नहीं कर सका. मिशन सफल होता न देख पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने अमृतपाल को वापस पंजाब लौटने का इशारा किया. जिसके बाद वह वापस लौटा है. यहां से वह बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान में भागने की फिराक में है. आईएसआई पंजाब से सटी पाकिस्तान की सीमा से अमृतपाल को पाकिस्तान में लाने का प्रयास कर सकती है. अमृतपाल को सीमा पार पहुंचाने के लिए आईएसआई ने पाकिस्तान से सटे पंजाब के फाजिल्का, फिरोजपुर, तरनतारन, गुरदासपुर, अमृतसर और अजनाला के इलाकों में अपने स्लीपर सेलों को एक्टिव किया है. आईएसआई ने जो प्लान बनाया है उसके मुताबिक पाकिस्तान जिस रूट से भारत में अपने स्लीपर सेलों को हथियार और नशे की खेप भेजता है, उसी रूट के माध्यम से अमृतपाल सिंह को पंजाब से निकालकर पाकिस्तान भेजने की तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं.

एक नजर...

रामनवमी पर श्री राम के नारों से गूंज उठा नगर परिषद रन्नौद

संवाददाता प्रदीप जैन रन्नौद

नगर परिषद रन्नौद में श्रीराम प्राग्टय उत्सव शोभायात्रा निकाली गई नगर में हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी रामनवमी की सोभा यात्रा निकाली गई इसमें जगह जगह लोगो ने यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यह यात्रा मानक चोक हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर बस स्टेंड मार्ग से निकल कर लक्ष्मी गंज होते हुए बापिस मानक चौक हनुमान मंदिर पर समापन हुआ रन्नौद वा समस्त क्षेत्र के सनातन वंधु हिन्दूजनमानस यात्रा में मौजूद रहे नगर के लोगो ने बड़ चड कर हिस्सा लिया।

प्रांतीय कुशवाह महासभा दतिया द्वारा मौर्यवंशी चक्रवर्ती महान सम्राट अशोक की जयंती व विशाल बाइक रैली समारोह आयोजित किया

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोर्टर पुष्पांजलि टुडे

दतिया के इंदरगढ़ तहसील में रैली निकाली एवं इस रैली समारोह में समस्त कुशवाह समाज व क्षेत्रवासियों ने बढ चढ़कर हिस्सा लिया और ज्ञापन के उपरांत सभी प्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने अपनी-अपनी बात रखी,व समाज को एक नया आयाम देने की बात कही।

कुशवाह समाज ने मांग रखी कि

(1.)इंदरगढ़ के भांडेर या ग्वालियर चौराहे में से किसी एक जगह महान सम्राट अशोक की प्रतिमा स्थापित होनी चाहिए।

(2)सम्पूर्ण भारत में महान् सम्राट अशोक की जयंती पर शासकीय अवकाश घोषित होना चाहिए।

कृषि मंडी इंदरगढ़ का नामकरण सम्राट अशोक कृषि किसान मंडी किया जायें।

(2)गुर्जरा शिलालेख दतिया का सौंदर्यीकरण तथा वहां व्यवस्था में सुधार किया जायें।

मध्यप्रदेश में कुशवाह समाज की संख्या के अनुपात में प्रत्येक सरकारी विभाग में प्रतिनिधित्व दिया जाये।

उत्साहपूर्वक मनाया गया श्रीराम नवमी पर्व जगह जगह किया गया जुलूस का स्वागत

पुष्पांजली टुडे
ब्यूरो रिपोर्ट सोनू श्रीवास्तव

गुना। चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन शुक्रवार को जिले भर में राम नवमी का पर्व उमंग व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के तत्वावधान में अलग-अलग जुलूस निकाले गए, जिनका रास्तेभर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समस्त हिंदू समाज द्वारा परंपरानुसार आराध्य भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव उमंग व उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पिछले कुछ वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार रघुवंशी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में गत दिवस स्थानीय प्रताप छात्रावास प्रांगण में पूजा-अर्चना के बाद अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया। जिसका समापन गुरुवार शाम विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना हवन शाति के साथ किया गया। तत्पश्चात प्रताप छात्रावास से बैंड-बाजों की धुन पर राम नवमी जुलूस शुरू हुआ। जिसमें हिंदुओं द्वारा ध्वज पताकाएं लहराते हुए चल रहे थे और उनके पीछे भारी संख्या में उमंग व उत्साह के साथ चल रहे थे। उनके पीछे एक डीजे की धुन पर समाज के युवा थिरकते हुए चल रहे थे। उनके पीछे एक रथ पर चित्र रूप में प्रभु श्रीराम चल रहे थे प्रताप छात्रावास से शुरू हुआ यह जुलूस जगदीश कॉलोनी, हाट रोड, निचला बाजार, सदर बाजार, लक्ष्मीगंज, जयस्तंभ चौराहा, एबी रोड होते हुए वापस प्रताप छात्रावास पहुंचकर समाप्त किया गया । इस दौरान रास्ते भर हिंदुओं के साथ- साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों व राजनैतिकों द्वारा भी जुलूस का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। अनेकों स्थानों पर प्रसाद के साथ-साथ पेयजल भी उपलब्ध कराया गया।

आबकारी मंत्री कवासी लखमा 31को गरियाबन्द के दौरे में, साथ में उपस्थित रहेंगे राजिम विधायक अमितेश शुक्ला जी

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबन्द। प्रदेश के वाणिज्यिककर, वाणिज्य एवं उधोग मंत्री कवासी लखमा 31 मार्च को गरियाबन्द प्रवास में रहेंगे। उनके साथ राजिम विधायक अमितेश शुक्ला भी साथ रहेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाव सिंह साहू ने बताया क की उद्योग मंत्री कवासी लखमा 31 मार्च को प्रातः 9 बजे रायपुर से कार द्वारा प्रस्थान के प्रातः 10. 45 बजे सर्किट हाउस गरियाबन्द पहुचेंगे । मंत्री लखमा 11 बजे से सर्किट हाऊस गरियाबन्द में प्रेस कांफ्रेंस लेंगे। वे दोपहर 1.30 बजे जनप्रतिनिधियों से मुलाकात एवं चर्चा करेंगे। इस दौरान उनके साथ राजिम विधायक अमितेश शुक्ला भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के बाद मंत्री लखमा शाम 4 बजे कार द्वारा रायपुर प्रस्थित होंगे। जिला अध्यक्ष साहू ने जिले के सभी कांग्रेस जनप्रतिनिधियों एवम कार्यकर्ता को संदेश दिया है कि वे अपनी क्षेत्रीय समस्या लेकर निर्धारित समय में मंत्री लखमा से मिल सकते है।

शहर की सफाई बंद, हड़ताल पर रहेंगे सफाई कर्मचारी

पुष्पांजली टुडे
ब्यूरो रिपोर्ट सोनू श्रीवास्तव

गुना। सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर तीन दिवस से हड़ताल पर बैठे रहे लेकिन शासन प्रशासन द्वारा उनकी कोई खबर नहीं ली गई जिस पर पारोछिया और अध्यक्ष देवकुमार झावा ने बताया कि तीन दिन में भी हमसे बातचीत करने न तो नपा और न ही प्रशासन की तरफ से कोई आया है। सफाईकर्मियों ने तो आज से ही कामबंद हड़ताल का निर्णय लिया था, लेकिन आज रामनवमी का बड़ा त्यौहार होने के चलते कल से हड़ताल का निर्णय लिया है।

एक माह बाद भी नहीं हुआ निराकरण- आंदोलन कर रहे सफाईकर्मियों ने बताया कि शहर में करीब 250 सफाईकर्मी सफाई का काम करते हैं। जिसमें विभिन्न मांगों का ज्ञापन एसडीएम के नाम दिया गया था, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। तब शिवपुरी बदरवास की तरह विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने, अस्थाई कर्मचारियों को विनियमित करने, एनपीएस काटने, वेतनमान, साबुन, बरसाती, नई भर्ती, कचरा वाहन के एनजीओ वाहन चालकों को नपा में संविदा भर्ती, उच्च शिक्षित सफाईकर्मियों को नपा में पदोन्नत करने आदि मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था।

तीन दिवस से कर रहे थे धरना प्रदर्शन- अपनी विभिन्न मांगों के पूरा नहीं होने पर सफाईकर्मी पिछले तीन दिन से धरना प्रदर्शन करते रहे लेकिन इन तीन दिनों में नगर पालिका और जिला प्रशासन द्वारा उनसे कोई बातचीत नहीं किए जाने के कारण अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन एवं सफाई कर्मचारी संघ द्वारा शुक्रवार से कामबंद हड़ताल शुरू करने जा रहे हैं।

योग गुरु बाबा रामदेव के शिष्यों ने किया पूजन की दक्षिणा भेंट

पुष्पांजली टुडे
ब्यूरो रिपोर्ट सोनू श्रीवास्तव

गुना। मानव जीवन अपने कार्यों में लगातार व्यस्त रहने के कारण लगातार मानसिक तनाव और थकावट के चलते बीमारियां से घिरा हुआ है। योग गुरु बाबा रामदेव द्वारा योग में हर तरह के तनाव और बीमारियों से छुटकारा दिलाने के लिए अलग अलग व्यायाम के तरीकों से इन सभी समस्याओं से छुटकारे के तरीके बताए गए हैं। जिसमें आज के दिन ही श्रीराम नवमी के पावन पर्व के दिन ही स्वामी रामदेव ने योग दीक्षा ग्रहण की थी। इस अवसर पर गुना शहर में संचालित हो रही विभिन्न योग कक्षाओं मैं योग शिक्षकों और साधकों द्वारा स्वामी का पूजन अर्चन किया गया और उनको पुष्प और दक्षिणा भेंट की गई। प्रतिदिन की भांति योग कक्षाएं आयोजित की गई इस अवसर पर राज्य प्रभारी कृष्ण योगेंद्र रघुवंशी, भारत स्वाभिमान न्यास जिला प्रभारी डॉ एमके विश्वास, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी बाबूलाल यादव, भारत स्वाभिमान न्यास तहसील प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव, घनश्याम राजोरिया, धनीराम ग्वाल, चतुर्भुज ग्वाल, रिंकू खटीक योग शिक्षिकाओं द्वारा योग कराया गया। स्वामी रामदेव के द्वारा योग में दिए जा रहे योगदान पर अपने अपने विचार व्यक्त किए।

शिवपुरी पुलिस ने किया नाबालिक बालिका को दस्तयाव

पुलिस थाना फिजीकल द्वारा घर से बिना बताये चले जाने पर नाबालिक बालिका को 12 घंटे के भीतर ग्वालियर से किया दस्तयाब

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा शिवपुरी के समस्त थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों को महिला संबंधी अपराधों मैं त्वरित कार्यवाही करने एवं गुमसुदा नाबालिक बालक बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु निर्देश दिए हैं । इसी तारतम्य मे कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना फिजीकल द्वारा घर से बिना बताये कहीं चले जाने पर नाबालिक बालिका को ग्वालियर से 24 घंटे के भीतर दस्तयाव किया है । दिनांक 29.03.2023 को फरियादिया द्वारा थाना फिजीकल आकर रिपोर्ट किया कि मेरी 16 साल की नाबालिक बालिका बिना बताये कहीं चली गई है, लगता है मेरे पड़ोस मे रहने बाला एक लड़का मेरी लड़की को बहला फुसला कर भगा कर ले गया है । उक्त रिपोर्ट पर से थाना फिजीकल पर अपराध क्रमांक 75/2023 धारा 363 भादवि. का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । पुलिस द्वारा नाबालिक बालिका की दस्तयाबी के लिये उसके दोस्तों एवं मिलने बालों से पूछताछ की गयी एवं तुरंत कार्यवाही करते हुये मोबाइल लोकेशन एवं सीसीटीव्ही फुटेज की जांच की गयी । अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया, एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी फिजीकल उनि. अरविन्द छारी को सूचना प्राप्त हुई की नाबालिक बालिका की लोकेशन ग्वालियर मे है, सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम बनाकर ग्वालियर रबाना किया गया जो दिनांक 30.03.2023 को रेलवे स्टेशन के वाहर से नाबालिक एवं संदेही लड़के को दस्तयाव किया गया है । उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी फिजीकल उनि. अरविंद छारी, सउनि प्रवीण त्रिवेदी, सउनि. बलवीर सिंह, प्रआर अमित सिंह, आर. जलज रावत, म.आर. प्रियंका गौतम की सराहनीय भूमिका रही ।

धूमधाम से मनाया गया प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव

पुष्पांजली टुडे

दमोह। जिले के पेषवा कालीन प्राचीन सिनेमा रोड स्थित श्रीराम मंदिर में श्रीराम नवमी का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शहनाई वादन कर बाल षिषु प्रभु श्रीराम की सूचना दी गई। आकाशवाणी कलाकार बलिराम पटैल और पटैल बन्धुओं ने भय प्रगट कृपाला दीनदयाला कौषल्या हितकारी भजन और कीर्तन का सुंदर गायन श्री हनुमान मंदिर परिसर और शमी के वृक्ष के नीचे सुसज्जित श्री नंदा मंच पर किया। चैत्र नवमी पर पेषवा कालीन मराठा परंपरा में श्रीराम मंदिर में किसी नवविवाहित जोड़े को दषरथ और कौषल्या बनाकर षिषु राम का जन्मोत्सव धूमधाम एवं वैदिक पद्धति से मनाया गया। पंडित अभिषेक शेव? के मार्गदर्षन में गंजबासौदा के मानस-दषरथ और अवनि-माँ कौषल्या का रूप धारण किया। पारंपरिक रूप से बालगीत गायन कर दोपहर शंखनाद के बीच षिषु प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ। पारंपरिक शहनाई वादन के साथ षिषु को प्राचीन झूले में बाहर लाकर भक्तगण को दर्षन लाभ कराया गया। षिषु जन्म के उपलक्ष्य में गंजबासौदा के लुखे और विदिषा के ओखदे परिवार द्वारा 21 ब्राह्मणों की पारंपरिक बसंत पूजा की गई। नवविवाहित जोड़े ने दषरथ-कौषल्या के रूप में षिषु प्रभु श्रीराम का पूजन किया। सामूहिक प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके पूर्व चैत्र नवरात्र में श्रीराम दरबार में नौ दिन नौ झाँकियों की विषिष्ट परंपरा है। सारे भारतवर्ष में इस प्राचीन देवस्थान को अपनी अनूठी धार्मिक और गतिमान परंपरा के लिये जाना जाता है। आज भी दमोह के प्रतिष्ठित सोनवलकर परिवार के वंशजों की दसवीं पीढ़ी ने बखूबी इस परंपरा का निर्वहन कर धार्मिक क्षेत्र में एक मिसाल कायम की है। चैत्र नवरात्र की शुरूआत वर्ष प्रतिपदा को पारंपरिक प्रातःकालीन झंडा वंदन (गुड़ी) से की जाती है। प्रथम दिवस श्रीराम दरबार में राज दरबार, द्वितीय दिवस अष्वारूढ़, तृतीय दिवस गजारूढ़ झाँकियाँ बनाई गई। पंचमी को श्रीजी भगवान षिव और माँ सीता पार्वती का रूप धारण किया गया, छठवें दिन श्री हरि विष्णु और माँ लक्ष्मी की झाँकी बनाई गई, सप्तम दिवस श्रीराम दरबार कृष्ण-राधा स्वरूप में परिणित हो गया। अष्टमी को प्रभु श्रीराम स्त्री रूप में माँ जगतजननी देवी अष्टभुजा स्वरूप में प्रकट हुये। महामंगला आरती में दो महिलाओं को देवी के भाव आ गये और देर रात्रि तक पं. अभिषेक शेवड़े, पं. सत्यम शर्मा, अमृता देवी, गौरव, वैभव, अभिनव, अभय और अबीर की जोड़ी ने जगराता में भजनों का गायन किया। देर रात्रि माँ की पारंपरिक नजर उतारकर झाँकी का समापन किया गया।

जिले में चल रहा है झोलाछापों का बोलबाला बिना डिग्री के कर रहे हैं अवैध क्लीनिक संचालित

शिवपुरी जिले के हर गांवों में चल रही हैं अवैध क्लीनिक, किराने की दुकान मैं चल रही झोला छाप डॉक्टरी की डॉक्टरी

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जिले मैं चल रही अवैध रूप से चल रही क्लीनिक कहीं किराने की दुकान में तो कहीं स्टाल में झोलाछाप डॉक्टर कर रहे इलाज वेबस हुए ग्रामीण छोटे अधिकारियों के संरक्षण में संचालित अवैध क्लीनिक संचालित हो रहीं हैं जिले में ऐसे कई गांव हैं जहां पर अवैध क्लीनिक संचालित है इसका पता ना तो जिला स्वास्थ्य अधिकारी को है और ना ही इनका किसी प्रकार का कोई रजिस्ट्रेशन है और ना ही इनके पास डिग्री हैं और ना ही लाइसेंस हैं किसी प्रकार का कोई भी डॉक्यूमेंट नहीं है फिर भी है झोलाछाप डॉक्टर धड़ल्ले से ग्रामीणों का इलाज कर रहे हैं जिनको स्वास्थ्य के छोटे अधिकारीयो संरक्षण हैं इसके कारण यह अपनी क्लीनिक संचालित कर रहे हैं जब यह मामला मीडिया के संज्ञान में आया तो इन क्लीनिक बालों रिश्तेदार एवम अन्य सगे संबंधी मीडिया के लोगों को धमकी भरे फोन करना शुरू कर दिया और झूठी ब्लैकमेलिंग के केस में फसाने का षड्यंत्र रचने लगे हैं इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हैं और स्वास्थ्य के मुख्य अधिकारी के संज्ञान में देने के ना तो अभी तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई है स्वास्थ्य विभाग के मुख्य जिला अधिकारी पवन जैन से मीडिया द्वारा बात करने पर उन्होंने बताया कि आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है इन पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी साथ ही बीएमओ कोलारस सुनील कुमार के संज्ञान में जब यह मामला पहुंचाया गया तो उनका कहना था कि आपके द्वारा मामला संज्ञान में आया है और जब उनसे पूछा गया की आप ही के स्टाफ का किसी व्यक्ति का इनको संरक्षण हैं जिसके कारण है लोग अपनी क्लीनिक संचालित करते हैं तो उनका कहना था की इस प्रकार का हमने कोई आदेश नहीं दिया है जिससे यह है अपनी अवैध क्लीनिक संचालित कर सकें।

खबर शिवपुरी शहर के समीप मैं स्थित ग्राम मुडेरी मैं एक नजरा देखने को मिला जिसे देख कर ऐसा बिल्कुल भी नही लगा कि हम देश के विकसित राज्यो की गिनती मैं आने बाले मध्य प्रदेश मैं हैं जहाँ पर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाषण दे दे कर प्रदेश के लोगों से कहते हैं कि मध्य प्रदेश बीमारू राज्य था हमने एक विकसित राज्य बनाया है विकसित राज्य में जो नजारा देखने को मिला उसे देख कर कोई नहीं कहेगा कि यह प्रदेश एक विकसित प्रदेश है जहां पर लोगों के स्वास्थ्य के नाम पर ग्रामीणों के जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है और किराना की दुकान चलाने वाला व्यक्ति गांव में अपनी खुद की क्लीनिक किराने की दुकान के अंदर चला रहा है और मरीजों में लगने वाली ग्लूकोस की बोतल और इंजेक्शन को वह कभी पेड़ पर टांग कर तो कभी कील पर बांध कर मरीजो के यहा लगाता हैं मीडिया द्वारा बात करने से पता चला कि इस किराना की दुकान बाले व्यक्ति के पास न ही किसी प्रकार की कोई डिग्री हैं और न ही इसने किसी सरकारी अस्पताल या मेडिकल कॉलेज मैं अभ्यास किया है यह तो इन ग्रामीणों पर ही प्रेक्टिस कर कर के बोतल ओर इंजेक्शन लगाना सीख गया जिस से यह क्लिनिक चलाता हैं जब इस बारे मैं जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से बात की गई तो जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि इस प्रकार की कोई क्लीनिक हमारे द्वारा संचालित नही कराई गई हैं यदि कोई व्यक्ति फर्जी क्लीनिक चला रहा हैं तो इस पर पूरी तरफ से कार्यवाही की जाएगी और इस प्रकार से संचालित अवैध क्लिनीको के खिलाफ जल्द कार्यवाही की जाएगी

दो साल पहले नगर वासियों की ओर से लिया गया संकल्प हुआ पूरा

झाराबाहाल में रामनवमी पर राम मंदिर का भूमिपूजन, बनेगा भव्य राम का मंदिर

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग। दो साल पहले नगर के लोगों ने राम मंदिर बनाने का निर्णय लेकर संकल्प लिया था कि जल्द ही भव्य राम मंदिर का निर्माण करवाएंगे। वही संकल्प को पूरा करने के लिए नगर के हर वर्ग के लोग भरसक प्रयास भी कर रहे थे। आमजनों के प्रयास के फलस्वरूप आज वह संकल्प पूरा होने जा रहा है। आज झाराबाहाल में राम मंदिर निर्माण की नींव पंडित युवराज पाण्डेय महाराज के द्वारा विधि विधान से पूजा पाठ कर रखा जा रहा है। यहां बताना लाजमी होगा कि झाराबाहाल में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन शुरू हो गया है..

वही पूजा में पंडित लक्ष्मीनारायण तिवारी और उनकी पत्नी विदुलता तिवारी बैठकर पूजा को सम्पन्न करवा रहे है। समाचार लिखे जाने तक राम मंदिर भूमिपूजन के लिए पूजा पाठ शुरू हो गया है।

नगर हो गया राममय- झाराबाहाल में राममंदिर के भूमिपूजन में पूजा पाठ सम्पन्न करवाने अमलीपदर के पंडित युवराज पाण्डेय महाराज आज जैसे ही देवभोग के झाराबाहाल पहुँचे.. तो युवाओं और महिलाओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद युवाओं की बाइक रैली पंडित जी को लेकर नगर भ्रमण के लिए निकली.. नगर भ्रमण के दौरान पंडित जी नगर के प्राचीन मंदिर जगन्नाथ मंदिर में पहुँचे.. जहाँ उन्होंने पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि की प्रार्थना की.. इसके बाद बाइक रैली में शामिल युवाओं ने पंडित युवराज पाण्डेय और कर्ता लक्ष्मीनारायण तिवारी और उनकी पत्नी विदुलता तिवारी का भव्य स्वागत किया और उन्हें लेकर झाराबाहाल के साई मंदिर पहुंची.. जहाँ राम मंदिर के भूमिपूजन का पूजा सम्पन्न होना था.. जहाँ फिर से पंडित जी को फूल मालाओं से लादकर उनका भव्य स्वागत किया गया.. बाइक रैली के दौरान पूरा नगर जय जय श्री राम के जयकारों से गूँजता रहा। 15 डिसमिल में बनेगा भव्य राम मंदिर-- राम मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने बताया कि झाराबाहाल में साई मंदिर के प्रांगन में 15 डिसमिल में भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जायेगा.. सभी ने बताया कि आज भूमिपूजन होने के बाद मंदिर निर्माण का कार्य भी शुरू हो जायेगा..आज भूमिपूजन के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया है.. समिति के सदस्यों के मुताबिक भंडारा दोपहर में शुरू होगा, जो देर रात तक चलेगा। साई मंदिर बनाने का संकल्प भी कर चुके है पूरा-- यहां बताना लाजमी होगा कि इससे पहले भी नगरवासियों ने साई मंदिर बनाने का संकल्प लिया था.. उस संकल्प को नगरवासी पूरा भी कर चुके है.. नगर के युवाओं ने अपने दृढ़ निश्चय के बदौलत बंजर पड़ी पहाड़ी जमीन को हरा भरा कर गार्डन में तब्दील कर दिया है.. वही पहाड़ के ऊपर बनी साई मंदिर भी नगरवासियों के आस्था का प्रतीक है।

1 माह से चल रहे अधिवक्ता संघ की हड़ताल बुधवार 3:00 किया समापन अनुविभागीय अधिकारी ने दिया आश्वासन

संवाददाता हेमचंद नागेश

राजिम। तहसीलदार राजिम को हटाए जाने के लिए 1 माह से चल रहे अधिवक्ता संघ के हड़ताल को अनुविभागीय अधिकारी पूजा बंसल के आश्वासन के पश्चात बुधवार को दोपहर 3 बजे समापन किया गया। अधिवक्ता संघ द्वारा 1 माह से लगातार तहसीलदार को हटाने के लिए आंदोलनरत अधिवक्ताओं से अनु विभागीय अधिकारी पूजा बंसल ने मिलकर आश्वासन दिया कि 15 दिवस के भीतर तहसीलदार को स्थानांतरित कर दिया जावेगा, तब अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेश यादव ने बताया कि पूर्व में भी आपके द्वारा 15 दिन बताया गया था जिसमें 10 दिन निकल गया है जिस पर अनुविभागीय अधिकारी ने कहा कि जितना जल्दी हो सके किया जावेगा। अनुविभागीय अधिकारी के आश्वासन के पश्चात अधिवक्ता संघ के द्वारा आपस मे चर्चा कर सर्व सम्मति निर्णय लिया गया कि 1 माह से चल रहे आंदोलन के कारण आम नागरिको, किसानो, छात्रों को हो रही परेशानी को ध्यान में रखकर समापन कर दिया गया है, इस बीच अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेश यादव ने अधिवक्ता संघ के आंदोलन को समर्थन करने वाले समस्त व्यापारी संघ, नगर के सभी संगठन, विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं, किसान संघ, किसान सेवा समिति, महामाया प्रबंध समिति नगर पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समस्त पार्षदों, नगर के गणमान्य नागरिकों तथा जिन्होंने भी प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किये इसके लिये अधिवक्ता संघ ने आभार प्रकट करते हुये भविष्य में भी सहयोग कि अपेक्षा की। अनु विभागीय अधिकारी से चर्चा के दौरान अधिवक्ता रमाकांत दीवान, हिमांशु दुबे, टीकम राम साहू, महेंद्र सोनी, कमल नारायण साहू, नेमीचंद साहू, गणेश साहू, भरत साहू, दानेश्वर ठाकुर, भुनेश्वर गोस्वामी, यानेंद्र सिन्हा, एवन साहू, बृजभान सिंह ठाकुर, गुलाब टंडन, महेंद्र सिंह ठाकुर, पुरुषोत्तम झारे, जीवन यदु, यादराम साहू आदि अधिवक्तागण एवं विशेष रूप से पूर्व जनपद अध्यक्ष राघोबा महाडिक उपस्थित थे। कांग्रेस के डीके ठाकुर मिले प्रभारी मंत्री से, दो दिन पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके ठाकुर एवं राघोबा महाडिक जिले प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत से मिलकर हड़ताल खत्म करने का निवेदन किया।जिस पर उन्होंने तुरंत जिला कलेक्टर प्रभात मलिक से बात कर मामले का निपटारा किया। अब हड़ताल खत्म होने के बाद कल से सारी व्यवस्थाएं यथावत चलेगी वकील वापस अपने कार्य करेंगे। जिसके चलते सभी वर्ग के लोगों को सहूलियत होगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके ठाकुर ने बताया कि अधिवक्ताओं के लंबे हड़ताल के चलते सभी वर्ग के लोगों को बहुत दिक्कत हो रही थी जिस पर मंत्री का ध्यानाकर्षण कराते ही तुरंत एक्शन मोड़ पर आ गये।

स्कूल शिक्षा विभाग में प्राचार्य पद पर शीघ्र पदोन्नति की माँग को लेकर

छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के द्वारा आवाड़ बुलंद कर शासन से की गई नये शिक्षा सत्र 16 जून से पहले आदेश जारी करने की माँग

संवाददाता हेमचंद नागेश

छत्तीसगढ़। राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश में वर्षों से रुकी हुई प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द से जल्द जारी करवाने शासन से पुरजोर माँग की गई हैं। राज्य में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत ÷टी÷ संवर्ग में वर्ष 2013 से तथा ÷ई÷ संवर्ग में वर्ष 2016 के बाद से हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं की गई हैं । राज्य में तीन हजार से अधिक स्कूलों में प्राचार्य के पद रिक्त पड़ हैं। वर्षों से प्राचार्य पद पर पदोन्नति नहीं होने से ÷टी÷ तथा ÷ई÷ संवर्ग के सैकड़ों नियमित व्याख्याता तथा नियमित प्रधान पाठक सेवानिवृत्त हो गए हैं। प्राचार्य पद पर पदोन्नति का रास्ता देखते-देखते अनेकों व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की मृत्यु हो गई हैं। प्रदेश में कई वर्षों से बाधित रही प्राचार्य पदोन्नति की विभागीय प्रकिया को शीघ्र प्रारंभ कर हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य के रिक्त सभी पदों पर शीघ्र पदोन्नति किये जाने हेतु सतीश प्रकाश सिंह द्वारा ÷छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा÷ गठित की गई हैं । प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में ÷टी÷ तथा ÷ई÷ संवर्ग के नियमित व्याख्याता तथा प्रधान पाठकों की आत्मसम्मान रूपी प्राचार्य पदोन्नति की नैतिक लड़ाई व्यापक रूप से लड़ी जा रही हैं। प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द जारी करवाने की एक सूत्रीय माँग को लेकर दिनाँक

27 मार्च 2023 को ÷छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा÷ के मुख्य संयोजक सतीश प्रकाश सिंह, बलदाउ प्रसाद कोसले, के.आर. दयाल, पंडित भारद्वाज, मिथिलेश सिंह सेंगर सहित अन्य व्याख्याता-प्रधान पाठकों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा महानदी भवन, मंत्रालय नया रायपुर में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला तथा सचिव डॉ. एस. भारती दासन से मिलकर प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द से जल्द जारी करवाने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। महानदी भवन मंत्रालय नया रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा ÷ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव तथा सचिव से चर्चा कर निवेदन किया गया , कि प्राचार्य पदोन्नति के लिए तत्काल माह अप्रैल-मई 2023 दो महीने का एक निश्चित समयबद्ध कार्यक्रम जारी करवा कर , प्राचार्य पदोन्नति की समस्त विभागीय प्रकिया को निधारित समय पर पूर्ण किया जाकर नये शिक्षा सत्र 16 जून 2023 के पूर्व प्राचार्य पद पर पदोन्नति का आदेश जारी किया जावें। छत्तीसगड़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल को प्राचार्य पदोन्नति के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ.आलोक शुक्ला तथा सचिव डॉ. एस.भारती दासन ने शीघ्र उचित पहल करने का आश्वासन दिए हैं। ÷छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा÷ के द्वारा प्राचार्य पदोन्नति का आदेश जल्द से जल्द जारी करवाने त्वरित रूप से हर सम्भव स्तर पर कार्य किया जा रहा हैं। छत्तीसगढ़ राज्य प्राचार्य पदोन्नति संघर्ष मोर्चा के द्वारा प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठनों, शिक्षक संघों,यूनियनों, फेडरेशन तथा विभिन्न व्याख्याता संघों-प्रधान पाठकों के कल्याण के लिए गठित किए गए विभिन्न संगठनों-समूहों से समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा हैं।

दमोह जेल को बेहतरीन व्यवस्थाओं में मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

पुष्पांजली टुडे

दमोह। जेल के क्रियाकलापों, नियमों का उचित रूप से पालन के अंतर्गत स्वच्छता अभियान, पर्यावरण एवं स्वच्छता प्रबंधन में जिला जेल को मानक गुणवत्ता प्रबंधन के तहत आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। ज्ञात हो कि आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये कुछ विशेष निर्धारित नियमों का पालन करना पडता है और संबधित विभाग की टीम समय-समय पर उक्त विषय को लेकर संस्था कार्यालय एवं क्षेत्र का निरीक्षण करती है और मापदंडों पर खरा उतरने पर आईएसओ प्रमाण प्रदान किया जाता है। दमोह जिला जेल को जिला न्यायाधीश अम्बुज पाण्डेय एवं विशेष न्यायाधीश शरदचंद सक्सेना ने जेल में आयोजित विधिक सेवा शिविर के अवसर पर जेल अधीक्षक सी.एल. प्रजापति को प्रदान करते हुये शुभकामनायें दी। न्यायधीशगणों ने जेल परिसर का अवलोकन करने पर बेहतर व्यवस्थाओं एवं निर्धारित नियमों के पालन को लेकर सराहना भी की। इस अवसर जेल अधीक्षक सी.एल.प्रजापति ने कहा कि निर्धारित नियमों के पालन के साथ रचनात्मक कार्यो के लिये लगातार प्रयास किये जाते हैं। बंदियों में सकारात्मकता का संचार करने के लिये भी निरंतर कार्य जारी हैं। स्वच्छता एवं पर्यावरण को लेकर भी लगातार कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त होने में अधीनस्थ स्टाफ का बेहतर सहयोग मिलने का भी परिणाम है इसलिये मेरे साथ सभी अधिकारी-कर्मचारी भी धन्यवाद के पात्र हैं।

स्वतंत्रता संग्राम के सैनानी-दमोह जिला जेल का इतिहास अतिप्राचीन है भारत माता को परतंत्रता की बेडियों से मुक्ति दिलाने के लिये जेल में राष्ट्रभक्तों ने फिरंगियों द्वारा दी गयी यातनाओं को सहन किया है। दमोह जिला जेल में पं.डी.के.मेहता, सेठ गोविंद दास, आशुतोष कोहली, ज्योतिष चंद घोष, सुरेश चंद दास, जतीश चंद लहरी, भोपाली मजूमदार, सुरेन्द्र मोहन घोष, पूर्णचंद दास, बृजलाल वियाणी, स्वामी कृष्णानंद, प्रेमशंकर ढगट, चतुर्भज भाई जसानी, गोकलचंद वकील,एल.सुन्दरा राजा आयनागर ,गोपालराव एन.काले, यू.मुथुराम लिंगा थेवर, व्योहार राजेन्द्र सिंह, एम.अन्नपूर्नयैया, सत्यनारायण राजू, रामकृष्ण बजाज, एम.थ्रिमल राव, गोपाल राव, दीनदयाल, लक्ष्मीशंकर, अल्लू जी,अन्ना अन्जैया ,बी.आर.चित्रा, एस.शिवनाथन, एन.सी.रंगा, के.लिंगा राजा एवं एम.आर.आवारी के नाम बंदियों में दर्ज हैं।

देवी मंदिर में चल रहे अखंड संकीर्तन एवं विशाल भंडारे का हुआ समापन

पुष्पांजली टुडे

दमोह। नवरात्रि के पावन पर्व पर जबलपुर नाका स्थित परशुराम टेकरी के समीप देवी मंदिर में अखंड संकीर्तन का आयोजन नौ दिवस तक भक्तो का लगातार सैलाब उमड रहा हैं। नौ दिनो तक चले अखंड संकीर्तन का 31 मार्च को विधि विधान के साथ हवन पूजन कर समापन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक पुरूषोत्तम चौबे हरिओम ने सभी भक्तो से संकीर्तन के समापन व विशाल भंडारे के आयोजन में प्रसाद ग्रहण करने अपील की हैं। इस अवसर पर दिलीप राय, राजू गुप्ता, डॉ गिरीश मिश्रा, शंकर चौबे, संदीप यादव, मनोज चौबे, ज्ञानचंद यादव, बबलू अग्रवाल, गुड्डू दुबे, कृष्ण यादव, राकेश रैकवार, जयपाल यादव, विजय मिश्रा, श्याम विश्वकर्मा, कोमल यादव, अंकित श्रीवास्तव, बसंत श्रीवास्तव, जमना चौबे, राकेश चौहान, गोलू मिश्रा, संजू यादव, बबलू ठाकुर, भवानी यादव ने की हैं।

पुलिस द्वारा 24 घण्टे में वाहन चैकिंग के दौरान अवैध हथियारों के विरुद्ध अभियान में की ताबड़तोड़ कार्यवाही

वाहन चैकिंग के दौरान अवैध हथियारों में 07 कट्टा एवं 08 जिन्दा राउण्ड 315 बोर जप्त

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन सुशान्त सक्सेना एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के निर्देशन में जिला भिण्ड के समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारी को चैकिंग अभियान के अन्तर्गत अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही पर धरपकड़ करने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया था। उक्त सम्बन्ध में चैंकिंग के दौरान अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तगर्त दिनांक 29 - 30 मार्च 2023 को जिला भिण्ड के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अवैध हथियारों की धरपकड के विरुद्ध अभियान चलाया गया जिसमे जिला भिण्ड के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अलग - अलग थानों में अभियान अन्तर्गत सघन चेकिंग की गयी जिसमें थानो द्वारा निम्न माल - मासरुका बरामद किया गया है।

जप्त मसरुका - थाना मालनपुर - 01 कट्टा 01 राउण्ड (315 बोर) के साथ एक एच एफ डीलक्स मोटर सायकिल । थाना गोहद चौराहा - 01 कट्टा 01 राउण्ड (315 बोर), थाना रौन-01 कट्टा 01राउंड (315बोर) के साथ एक एच एफ डीलक्स मोटरसाइकिल,थाना गोरमी- 01 कट्टा 02 राउण्ड (315बोर) के साथ एक प्लेटिना मोटरसाइकिल, थाना मेहगाव - 01कट्टा 01राउंड (315बोर) के साथ एक पल्सर मोटरसाइकिल,थाना कोतवाली - 01कट्टा 01राउंड (315बोर), थाना देहात - 01 कट्टा 01 राउण्ड (315 बोर), कुल मसरुका- 07 कट्टा 08 जिंदा राउण्ड (315 बोर) तथा चार मोटर सायकिल । उक्त सम्बन्ध मे सभी आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसंगत कार्यवाही सम्बन्धित थानों पर की गयी है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मालनपुर, गोहद चौराहा, रौन, गोरमी, मेहगांव, सिटी कोतवाली, देहात एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही है।

सम्पादकीय

आम चुनाव से पहले विपक्षी दलों की बढ़ेगी गोलबंदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के विस्तार का लोकार्पण करते हुए विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा कि सभी भ्रष्टाचारी एक मंच पर साथ आ रहे हैं. भारत विरोधी शक्तियां एकजुट हो रही हैं. उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी सरकार ने भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जो ऑपरेशन चलाया, इससे उनकी जड़ें हिल गई हैं. ऐसी स्थिति में मुझे लगता है कि अभी जो राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त हुई है सूरत के एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला आने के बाद और उसमें उन्हें दो साल की सजा सुनाई गई है तो इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष गोलबंद हो गया है. दूसरी बात यह की अडानी के संदर्भ में जो हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आई है उसे लेकर विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री के अडानी के साथ नजदीकी को लेकर सवाल उठा रहा है. इस मुद्दे पर बार-बार संसद में हंगामा के चलते कार्यवाही भी बाधित हो रही है. उसमें मुख्य रूप से कांग्रेस और विपक्ष की तमाम पार्टियां जो हैं वो प्रधानमंत्री पर हमलावर हैं. उनका ये सीधा आरोप है कि अडानी का जो प्रमोशन हुआ है वो नरेंद्र मोदी के गुजरात में मुख्यमंत्री रहने से लेकर प्रधानमंत्री बनने के बाद भी जारी है. विपक्ष का कहना है कि मोदी ने केंद्र में आने के बाद अडानी को तरह-तरह की रियायत दी हैं, जिसके कारण चाहे एयरपोर्ट हो या कोयला का खदान और अन्य सरकारी ठेके अडानी को दिये गए हैं. अडानी उद्योग समूह को बैंकों से लाखों करोड़ रुपये के कर्ज मिले हैं. एलआईसी और ईपीएफ से कर्ज मिले हैं....कुल मिलाकर विपक्ष का यह आरोप है कि अडानी की प्रधानमंत्री के साथ नजदीक होने के चलते वो फल-फूल रहे हैं और न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी उन्हें कई काम मिलें हैं. हिंडनबर्ग रिपोर्ट के आने के बाद जिस तरह से अडानी समूह को 12 लाख करोड़ रुपये का गच्चा लगा है छोटे निवेशकों का तो इस मामले में प्रधानमंत्री जी मुख्य निशाने पर हैं. अब जवाब में चूंकि कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों के नेता कहीं न कहीं भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे रहे हैं. आप चाहे बिहार, बंगाल या यूपी या महाराष्ट्र को ही देख लीजिए तो जो भी क्षेत्रीय दल हैं चाहे वो एनसीपी हो, समाजवादी पार्टी हो, राजद हो या टीएमसी और आम आदमी पार्टी तो ये जितने भी दल हैं सब के नेता कहीं न कहीं भ्रष्टाचार के मामलों से घिरे हुए हैं. राहुल गांधी की सदस्यता जाने को लेकर 13 विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी है. प्रधानमंत्री जी को चिट्ठी लिखी है और ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग करने को लेकर और विपक्षी नेताओं को परेशान करने को लेकर सभी ने संयुक्त बयान जारी किया है. अब राहुल गांधी की सदस्यता का ही मुद्दा देख लीजिए तो सभी पार्टियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एक पीआईएल याचिका दायर की गई है. लेकिन यह भी देखने की बात है कि जो कार्रवाई हुई है वो सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप हुई है चूंकि 2013 में जो सर्वोच्च न्यायालय ने जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत जिस धारा को निरस्त कर दी गई थी उसके तहत कार्रवाई की जा रही है...तो इस अधिनियम को निरस्त करने के लिए एक याचिका दायर की गई है. स्वाभाविक रूप से भ्रष्टाचार एक मुद्दा हो गया है. अभी राहुल गांधी ने न सिर्फ अडानी को संरक्षण देने के लिए बल्कि नीतियों को सरल बनाने का भी केंद्र सरकार पर आरोप है बल्कि राहुल गांधी ने तो सीधा-सीधा यह भी आरोप लगा दिया है कि अडानी समूह में 20 हजार करोड़ रुपये की जो पूंजी वो भाजपा के नेताओं ने लगाई है. अब इस आरोप पर लगातार संसद में जेपीसी गठित कर जांच करने की मांग हो रही है और अब लोगों में भी कहीं न कहीं यह अवधारणा बनने लगा है कि अडानी के मामले पर केंद्र सरकार जो वो बैकफुट आती दिख रही है. हालांकि इसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी बनाई है लेकिन जेपीसी की मांग से केंद्र सरकार भाग रही है. मंगलवार को जब नई दिल्ली में भाजपा कार्यालय में आवासीय परिसर का उद्घाटन का मौका था तो प्रधानमंत्री ने कहा कि सारे भ्रष्टाचारी एक हो गए हैं और हमने जो भ्रष्टाचार रोकने के लिए अभियान छेड़ा है वो रुकने वाला नहीं है. इससे पहले भी जब ईडी और सीबीआई ऑफिसर्स की बैठक हुआ थी तो उस दौरान भी प्रधानमंत्री ने कहा था कि केंद्रीय एजेंसियों को हड़बड़ाने की जरूरत नहीं है और उन्हें यह भरोसा दिलाया था कि आप अपनी कार्रवाई भ्रष्टाचारी नेताओं के प्रति, व्यापारियों के खिलाफ हो या राजनेता के खिलाफ आप उसे जारी रखिये. तो यही बात उन्होंने कल भी कही और यह सभी विपक्षी दलों के लिए था. उन्होंने विपक्ष के किसी भी नेता का बिना नाम लिए उन सभी पर निशाना साधा है उन्होंने संयुक्त रूप से अभी ईडी और सीबीआई की जांच को लेकर विरोध जताया है.

ममता बनर्जी की इस दहाड़ से क्या विपक्ष को मिल पाएगी संजीवनी

बताते हैं कि ममता के इस ऐलान के बाद बीजेपी की बंगाल इकाई के मुख्यालय में खुशियों भरे लड्डुओं की बौछार इसलिये आ गई थी कि वे बीजेपी के एजेंडे को ही आगे बड़ा रही हैं. लेकिन ममता ने बुधवार को केंद्र सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये के विरोध में हुई कोलकाता की रैली में जिस ताकत के साथ सारे दलों को एकजुट होने की अपील की है. उसने बीजेपी के मंसूबों पर पानी फेर दिया है. उन्होंने बहुत सारी बातें कहीं लेकिन सारा फोकस इसी पर था कि 2024 में लोकसभा का चुनाव आम जनता और बीजेपी के बीच होगा. बंगाल की राजनीति को बरसों से कवर कर रहे पत्रकार कहते हैं कि सालों बाद ममता का ये रौद्र रुप देखने को मिला है, जब उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इतने तीखे तेवरों में हमला बोला है. ममता ने कहा कि, बीजेपी का अहंकार चकनाचूर करने के लिए समूचे विपक्ष को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी. देश को बचाने के लिए दुशासन से छुटकारा पाना होगा और लोकतंत्र व गरीबों की रक्षा के लिए दुर्योधन को हटाना ही होगा. वे यहीं पर नहीं रुकीं और खुद उनकी ही पार्टी के नेताओं को एक पल के लिए लगा कि उनकी नेता ने अपनी राजनीतिक लाइन को अचानक कैसे बदल दिया है.

कहते हैं कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है और न ही स्थायी दुश्मन. शायद इसलिए कि वड्डत के बदलते हर पल के साथ ही राजनीति भी बदलती है और वो एक नई दिशा तलाशती है. इसे हम अपने लोकतंत्र की खूबसूरती भी कह सकते हैं और राजनेताओं का सियासी स्वार्थ भी. लेकिन बावजूद इसके अगर राजनीति एक नई शक्ल लेकर देश के अवाम का ईमानदारी से कोई भला करना चाहती है, तो इस पर शायद किसी को भी ऐतराज नहीं होगा. लेकिन ये तो मानना ही पड़ेगा कि राहुल गांधी के मामले ने विपक्षी खेमे में उठने वाली अलग-अलग आवाड़ों को खामोश करते हुए उन्हें सिड़ एक ही धुरी पर लाकर खड़ा कर दिया है कि मौजूदा सरकार को बाहर का रास्ता आखिर कैसे दिखाया जाये. हफ्ता भर पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि कांग्रेस से जबरदस्त खुंदक खाई हुई पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को इतना बड़ा ऐलान करके राजनीति की दिशा को पलट देने के लिये इस अंदाज में आगे आ जाएंगी. उन्होंने बीजेपी सरकार को हटाने के लिए सभी विपक्षी दलों को एकजुट होने के वास्ते जिस तेवर भरे अंदाज में अपील की है. वह बीजेपी खेमे के लिए भी बेहद चौंकाने वाली है. इसलिए कि बीते दिनों सागरदिघी विधानसभा सीट पर हुआ उप चुनाव हारने के बाद ममता ने कांग्रेस से दूरी बनाते हुए ये ऐलान कर दिया था कि उनकी पार्टी टीएमसी अगला लोकसभा चुनाव अकेले अपने दम पर ही लड़ेगी. बताते हैं कि ममता के इस ऐलान के बाद बीजेपी की बंगाल इकाई के मुख्यालय में खुशियों भरे लड्डुओं की बौछार इसलिये आ गई थी कि वे बीजेपी के एजेंडे को ही आगे बड़ा रही हैं. लेकिन ममता ने बुधवार को केंद्र सरकार के भेदभावपूर्ण रवैये के विरोध में हुई कोलकाता की रैली में जिस ताकत के साथ सारे दलों को एकजुट होने की अपील की है. उसने बीजेपी के मंसूबों पर पानी फेर दिया है. उन्होंने बहुत सारी बातें कहीं लेकिन सारा फोकस इसी पर था कि 2024 में लोकसभा का चुनाव आम जनता और बीजेपी के बीच होगा. बंगाल की राजनीति को बरसों से कवर कर रहे पत्रकार कहते हैं कि सालों बाद ममता का ये रौद्र रुप देखने को मिला है, जब उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इतने तीखे तेवरों में हमला बोला है. ममता ने कहा कि, बीजेपी का अहंकार चकनाचूर करने के लिए समूचे विपक्ष को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी होगी. देश को बचाने के लिए दुशासन से छुटकारा पाना होगा और लोकतंत्र व गरीबों की रक्षा के लिए दुर्योधन को हटाना ही होगा. वे यहीं पर नहीं रुकीं और खुद उनकी ही पार्टी के नेताओं को एक पल के लिए लगा कि उनकी नेता ने अपनी राजनीतिक लाइन को अचानक कैसे बदल दिया है. लेकिन बंगाल के राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इतने सालों में ममता ने अपनी इमेज एक शेरनी वाली बना ली है,जो दहाड़ते वड्डत आगा-पीछा नहीं देखती है और लोग उनकी इसी छवि के कायल भी हैं.

बताते हैं कि कोलकाता के लोगों को अरसे बाद ममता की ऐसी दहाड़ सुनने-देखने को मिली है जो कांग्रेस समेत समूचे विपक्ष के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है. ममता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस नए भारत में विपक्षी नेता ही बीजेपी का मुख्य निशाना हैं. जबकि आपराधिक पृष्ठभूमि रखने वाले बीजेपी नेता आज केंद्र सरकार में मंत्री बने बैठे हैं. लेकिन विपक्षी नेताओं को अपने भाषणों को लेकर संसद की सदस्यता से अयोग्य ठहराया जा रहा है. अपने संवैधानिक लोकतंत्र को आज हम इतना नीचे गिरते हुए देख रहे हैं, जिसकी कल्पना शायद किसी ने भी नहीं की होगी. उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी को संसद से अयोग्य ठहराये जाने के बाद भी ममता ने अपने ट्वीट में भी यही लिखा था. जाहिर है कि राहुल गांधी को मिली दो साल की सजा और उसके बाद संसद से अयोग्य घोषित किये जाने के फैसले ने ही ममता को अपना सियासी स्टैंड बदलने पर मजबूर किया है. बीते सोमवार को सरकार के खिलाफ रणनीति तय करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा संसद में बुलाई गई बैठक में टीएमसी नेताओं ने हिस्सा लेकर ये संकेत दे दिया था कि ममता भी इस मुहिम में उनके साथ है. टीएमसी के सांसद काले कपड़े पहनकर विरोध जताने में भी कांग्रेस के साथ खड़े दिखाई दिये थे. हालांकि सियासी जानकार मानते हैं कि ममता का ये रुख सिर्फ कांग्रेस के लिए ही नहीं बल्कि समूचे विपक्ष के लिए सोने में सुहागा वाली स्थिति साबित हो सकता है. लेकिन इसके लिये जरुरी है कि सबसे बड़ी मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस अपने अहंकार को त्याग दे. तभी 2024 में विपक्ष इस हैसियत में होगा कि वह बीजेपी को बराबरी की टक्कर दे सके.

इन गुणों के कारण भगवान राम कहलाएं मर्यादा पुरुषोत्तम

भगवान श्री राम श्रेष्ठ राजा थे. उन्होंने मर्यादा, करुणा, दया, सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलते हुए राज किया. इस कारण उन्हें आदर्श पुरुष और मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा जाता है. भगवान राम में अनेक गुण हैं, जोकि हर व्यक्ति में जरूर होना चाहिए. भगवान श्रीराम में सहनशीलता और धैर्य की परकाष्ठा का विशेष गुण है. इसका पता इस बात से ही चलता है कि कैकयी की इच्छा व आज्ञा से वह 14 वर्ष वनवास के लिए चले गए. अयोध्या का राजा होते हुए भी उन्होंने सन्यासी की तरह जीवन बिताया. भगवान राम के कई मित्र थे. केवट, सुग्रीव, निषादराज और विभीषण सभी के साथ भगवान राम एक जैसा मित्रता का भाव रखते थे. मित्रों के लिए राम जी ने कई बार स्वयं संकट भी उठाए. भगवान राम की तरह मित्रता निभाने का गुण हर किसी में होना चाहिए. आदर्श भाई के रूप में रामजी का नाम आज भी लिया जाता है और लोग कहते हैं भाई हो तो राम जैसा. लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न उनके सौतेले भाई थे. लेकिन उन्होंने अपने सभी भाईयों संग सगा सा व्यहार किया. भाईयों के लिए त्याग और समर्पण के लिए भी वे हमेशा तैयार रहे. राम जी जैसा यह गुण हर भाई में होना चाहिए. भगवान राम राजा होने के साथ ही एक कुशल प्रबंधक भी थे. उनमें सभी को साथ लेकर चलने का गुण था. अपने इसी गुण के कारण उन्होंने अपनी सेना की सहायता से लंका जाने के लिए सेतु का निर्माण किया. भगवान राम में दयालुता का भी गुण था, जोकि हर किसी में होना चाहिए और आज इसकी अधिक आवश्यकता है. भगवान राम ने अपनी दयालुता के कारण पक्षी, मानव और दानव सभी को आगे बढ़ने का अवसर दिया.

फ्रांस के लोग अपनी संसद को आवारा बनने से आखिर क्यों रोक रहे हैं

दुनिया भर के पर्यटकों को अपनी खूबसूरती के लिए पेरिस बुलाने वाला यूरोप का तीसरा बड़ा देश फ्रांस इन दिनों विरोध की आग में जल रहा है. इसकी वजह वही है, जो हमारे देश में साल 2004 के बाद से चली आ रही है लेकिन तब भी यहां खामोशी छाई हुई है. पर, फ्रांस की जनता शायद डरपोक नहीं है और वो सरकार के एक गलत फैसले को बर्दाश्त करने को तैयार भी नहीं है, इसीलिये उसने सड़कों पर उतरकर हिंसक विद्रोह करते हुए हुक्मरानों को अपनी ताकत का अहसास कराने की मुहिम छेड़ रखी है. नेपोलियन बोनापार्ट की क्रांति से आये साम्राज्य से मुक्ति पाकर भारत से एक साल पहले यानी 1946 में एक गणराज्य बनने वाला फ्रांस दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां आज भी तकरीबन 45 फीसदी लोग नास्तिक हैं. यानी उनका इस धरती पर परम शक्ति से प्रकट हुए किसी भी अवतार पर कोई भरोसा नहीं है फिर चाहे वह ईसा हो या मूसा. जाहिर है कि फिर ऐसे मुल्क की जनता को अपनी सरकार के किसी फैसले के ड़िलाड़ सड़कों पर आकर मुड़ालड़त करने का कोई खौड़ नहीं होता और वे यही कर भी रहे हैं. ये भारत में उन लोगों के लिए बड़ी मिसाल है जो 2004 के बाद पुरानी पेंशन मिलने के मोहताज हो चुके हैं. दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सरकार ने बीते दिनों पेंशन बिल पास कर के रिटायमेंट की उम्र को 62 से बढ़ाकर 64 साल कर दिया है. इससे लोगों का गुस्सा ऐसा फूट पड़ा है कि उन्होंने पेरिस समेत अन्य प्रमुख शहरों में जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के साथ ही आगजनी का सिलसिला भी शुरु कर दिया है. फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक, चूंकि सरकारी विभागों में नई भर्तियां हुई नहीं हैं इसलिये सरकार को ये कदम उठाना पड़ा. लेकिन इसका नतीजा हिंसक प्रदर्शनों के रुप में देखने को मिल रहा है. मैक्रों सरकार द्वारा लाये गये इस बिल के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव भी लाया था लेकिन भारत की तरह वहां भी जोड़तोड़ के जरिये सरकार उसे गिराने में कामयाब हो गई. वह बाल-बाल बच तो गए लेकिन अगर वह पास हो जाता तो राष्ट्रपति को नए चुनाव कराने पड़ते. इसलिए कि राष्ट्रपति मैक्रो ऐसे माहौल में किसी भी सूरत में चुनाव में नहीं जाना चाहते थे,अन्यथा उन्हें हार का सामना करने का खतरा था. फ्रांस के नए पेंशन बिल में कर्मचारियों को 62 की जगह अब 64 साल की उम्र तक काम करना होगा. लेकिन इसका असर ये होगा कि पूरी पेंशन के लिए जरूरी मिनिमिम सर्विस का टर्म भी बढ जाएगा. यानी अब पूरी पेंशन लेने के लिए 42 की जगह 43 साल काम करना जरूरी होगा. लेकिन सरकारी कर्मचारी इसके लिए तैयार नहीं हैं और इसीलिये वे लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं. फ्रांस के मीडिया के मुताबिक राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस वड्डत अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं और लगता है कि वे देश की आबादी के एक बड़े हिस्से का भरोसा खो चुके हैं. फ्रांस में हो रहे ये प्रदर्शन भारत के लिए आखिर क्यों महत्वपूर्ण हैं इसे थोड़ा समझना होगा. हमारे यहां भी पुरानी पेंशन योजना बनाम सरकार द्वारा लाई गई नई पेंशन योजना के लाभों को लेकर बहस छिड़ी हुई है. फ्रांस में रिटायरमेंट की उम्र को लेकर जो विरोध हो रहा है, वह भारत की पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बनाम नई पेंशन योजना (एनपीएस) को लेकर हो रहे विरोध जैसा ही है. फर्क सिर्फ इतना है कि वहां लोग सड़कों पर उतर आये हैं और यहां लोकतंत्र के बावजूद प्रभावित लोग वैसी हिम्मत ही नहीं जुटा पा रहे हैं. बता दें कि साल 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को बंद करके नई पेंशन योजना लागू कर दी थी. अब ये भी समझिए कि इससे नुकसान किसका हो रहा है और फायदे में कौन हैं. पुरानी व्यवस्था के हिसाब से किसी भी कर्मचारी/अधिकारी की पेंशन उसके अंतिम वेतन का 50 प्रतिशत होती थी और पूरी राशि का भुगतान सरकार ही करती थी. वहीं अब नई व्यवस्था में सरकारी कर्मचारियों को अपने वेतन और महंगाई भत्ते का 10 फीसदी सेवानिवृत्ति कोष में देना होता है.

सुप्रीम कोर्ट को भी आखिर क्यों दोहरानी पड़ी ओशो की चेतावनी

दुनिया के सबसे विवादास्पद दार्शनिक ओशो रजनीश ने बरसों पहले अपने एक प्रवचन में कहा था, राजनीति का अर्थ होता है- दूसरों को कैसे जीत लूंड़ धर्म का अर्थ होता है- स्वयं को कैसे जीत लूंड़ इसलिये धर्म और राजनीति बड़े विपरीत हैं. राजनीति के पास सारे विध्वंसात्मक हथियार हैं, जबकि धर्म नितांत कोमल है. राजनीति के पास हृदय नहीं है, धर्म शुद्ध हृदय है. वह ठीक वैसे ही है जैसे एक सुंदर गुलाब का फूल- जिसका सौंदर्य, जीवन को जीने योग्य बनाता है. लेकिन राजनीति पत्थर जैसी है- मृत. किंतु पत्थर फूल को नष्ट कर सकता है और फूल के पास कोई सुरक्षा नहीं है. राजनीति अधार्मिक है. इसलिये धर्म अकेला क्षेत्र है जहां राजनीति को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए.

हमारे देश की सुप्रीम कोर्ट ने कई बरसों बाद ओशो के उन विचारों को न सिर्फ जायज ठहराया है बल्कि एक तरह से उन्हें दोहराते हुए केंद्र समेत राज्य सरकारों की जमकर खिंचाई भी की है. हेट स्पीच यानी नफरती भाषण देने के एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा है कि जिस क्षण राजनीति और धर्म अलग हो जाएंगे और नेता राजनीति में धर्म का उपयोग बंद कर देंगे, उसी दिन नफरत फैलाने वाले भाषण भी बंद हो जाएंगे. जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की खंडपीठ ने नफरती भाषण देने वाले लोगों पर सख्त आपत्ति जताते हुए सवाल किया है कि लोग खुद को काबू में क्यों नहीं रखते हैंड़ हालांकि, ये भी सच है कि राजनीति का स्तर कितना नीचे गिरता जा रहा है और उसमें नफरत फैलाने की भाषा का इस्तेमाल जिस तेजी से बड़ता जा रहा है, इसका अहसास समाज के अन्य वर्गों के साथ न्यायपालिका ने भी बेहद शिद्दत के साथ महसूस किया है. शायद इसीलिये न्यायालय को पुराने नेताओं के भाषणों की मिसाल देने पर मजबूर होना पड़ा. शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके भाषणों को सुनने के लिए दूर-दराज के इलाकों से लोग इकट्ठे होते थे. न्यायाधीशों ने अपनी इस टिप्पणी से इशारा दिया है कि अलग-अलग विचारधारा होने के बावजूद उन नेताओं के भाषणों की भाषा संयत हुआ करती थी, जिसमें किसी दूसरे समुदाय के लिए नफरत फैलाने की जरा भी गुंजाइश नहीं होती थी. लेकिन पिछले कुछ दशक में राजनीति का जो रूप सामने आया है, उसने समाज में नफरत फैलाने की जो नई इबारत लिखी है वो आने वाली पीड़ी के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है. देश के पालनहारों की जुबान से निकले जहरीले बोल किसी भी धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के सभ्य समाज के एक बड़े तबके को हिंसक बनाने में ज्यादा देर नहीं लगाते. दुर्भाग्य से, हमारी राजनीति उसी रास्ते पर आगे बड़ रही है. लिहाजा लोकतंत्र

का तीसरा व मजबूत स्तंभ कहलाने वाली न्यायपालिका का फिक्रमंद होना और सरकारों को इस पर लगाम कसने के लिए फटकार लगाने को कोई भी समझदार इंसान गैर वाजिब नहीं कहेगा. ऐसे नाजुक मसलों पर न्यायपालिका ने भी अपने मुंह पर अगर पट्टी बांध ली तो लोकतंत्र का वजूद ही खत्म हो जाएगा. जस्टिस केएम जोसेफ ने कहा- हर रोज टीवी और सार्वजनिक मंचों पर नफरत फैलाने वाले बयान दिए जा रहे हैं. क्या ऐसे लोग खुद को कंट्रोल नहीं कर सकतेड़ लाइव लॉ के मुताबिक, जस्टिस जोसेफ ने इस मामले में राज्य सरकार के रवैये पर भी तल्ख टिप्पणी की है. उन्होंने कहा, राज्य नपुंसक हैं. वे समय पर काम नहीं करते. जब राज्य ही ऐसे मसलों पर चुप्पी साध लेंगे तो फिर उनके होने का मतलब क्या है। दरअसल, शाहीन अब्दुल्ला नामक शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय राज्यों को कई बार हेट स्पीच पर लगाम लगाने के आदेश दे चुका है. इसके बावजूद हिंदू संगठनों की हेट स्पीच पर लगाम लगाने में महाराष्ट्र सरकार विफल रही है. याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछली सुनवाई में याचिकाकर्ता के वकील निजामुद्दीन पाशा ने कोर्ट में कहा था कि महाराष्ट्र पुलिस को एक हिंदू संगठन के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और वह संगठन पिछले चार महीने में 50 से अधिक रैलियां आयोजित कर चुका है. पिछली सुनवाई में जस्टिस नागरत्ना ने कहा था कि हेट स्पीच को लेकर कोर्ट के आदेश के हर उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट ध्यान नहीं दे सकता है. अगर हर छोटी अवमानना की याचिका पर सुनवाई होने लगे तो सुप्रीम कोर्ट देशभर से हजारों याचिकाओं से भर जाएगा. हालांकि, सुनवाई के दौरान जस्टिस जोसेफ ने इस बात पर जोर दिया कि अवमानना याचिका की सुनवाई होनी चाहिए. गौरतलब है कि इससे पहले मंगलवार (28 मार्च) को हुई सुनवाई में कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा था कि हेट स्पीच के मामलों में सिर्फ दर्ज करने से समाधान नहीं होगा. इसके लिए क्या कार्रवाई की गई, ये कोर्ट को बताएं. हेट स्पीच को लेकर पिछले महीने भी सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी की थी. तब भी कोर्ट ने कहा था, जब हेट क्राइम के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती है तो ऐसा माहौल बनाया जाता है जो बहुत खतरनाक है और इसे हमारे जीवन में जड़ से खत्म करना होगा. हेट स्ड़पीच पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है. जिस खतरे को हमारी शीर्ष अदालत आज महसूस कर रही है, उसे हिंदी के मशहूर व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई ने सालों पहले ही भांप लिया था. उन्होंने लिखा था- दिशाहीन, बेकार, हताश, नकारवादी, विध्वंसवादी बेकार युवकों की यह भीड़ खतरनाक होती है. इसका उपयोग महत्वाकांक्षी खतरनाक विचारधारा वाले व्यक्ति और समूह कर सकते हैं. यह भीड़ धार्मिक उन्मादियों के पीछे चलने लगती है. यह भीड़ किसी भी ऐसे संगठन के साथ हो सकती है, जो उनमें उन्माद और तनाव पैदा कर दे. फिर इस भीड़ से विध्वंसक काम कराए जा सकते हैं. यह भीड़ फासिस्टों का हथियार बन सकती है. हमारे देश में यह भीड़ बढ़ रही है और इसका उपयोग भी हो रहा है. आगे इस भीड़ का उपयोग सारे राष्ट्रीय और मानव मूल्यों के विनाश के लिए, लोकतंत्र के नाश के लिए करवाया जा सकता है.

एक नजर...

महुआ पुलिस द्वारा 01 अवैध 12 बोर की बंदूक मय 01 जिंदा राउण्ड के सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी जी, अति. पुलिस अधीक्षक रायसिहं नरवरिया जी के निर्देशन में व श्रीमान एसडीओपी. अम्बाह श्री परिमाल सिंह मेहरा जी के मार्गदर्शन में अवैध हथियारों की धरपकड अभियान के तहत मकान सर्चिंग दौरान बिहारपुरा गांव से एक यूवक से एक 12 बोर की बंदूक मय एक जिंदा कारतूस के बरामद किये गये। आरोपी के विरुद्ध अप0क्र0 44/23 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यबाही में थाना प्रभारी उनि ऋषीकेश शर्मा, कार्य0 उनि जेपी शर्मा, सुनि श्रीकृष्ण थापक, प्र0आर0 342 विजय सिंह, प्र0आर0 75 ओमप्रकाश शर्मा, आर0 193 कौशलेन्द्र बौहरे, आर0 1152 अजीत सिंह, आर0 1239 मनजीत सिंह, आर0 653 चंद्रशेखर शर्मा, आर0 1083 अनिल परमार, आर0 ड्राइवर 86 अनवर खां के पदों पर योगदान कर रहे हैं।

द्वारकाधीश जगतमंदिर में रामनवमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया

शंख चक्र गदा पद्म धनुष बाण सहित श्रीराम बने द्वारकाधीश

पीनल नागर, पुष्पांजली टुडे/गुजरात

श्री राम नवमी उत्सव समग्र गुजरात में उत्साहपूर्वक मनाया गया। अगर बात करें गुजरात की तो गुजरात का प्रख्यात यात्रा धाम द्वारका जहां श्री द्वारकाधीश स्वयं विराजमान है और आज राम नवमीके पावन अवसर पर द्वारकाधीश जगत मंदिर में रामनवमी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। गुजरात के द्वारका में श्री कृष्ण भगवान के दर्शन के लिए समग्र भारत वर्ष एवं विदेशसे दर्शनार्थी दर्शन के लिए आते हैंड़। द्वारका में श्रीकृष्ण के दर्शन से लाखों दर्शनार्थी धन्यता का अनुभव करते हैं। आज राम नवमी के अवसर पर शंख चक्र गदा पद्म धनुष बाण सहित श्री द्वारकाधीश श्री राम बने। द्वारकाधीश को श्री राम के स्वरूप में देखकर समग्र द्वारका वासियों सहित दर्शन के लिए दूर-दूर से आए दर्शनार्थियोंने धन्यता कादर्शन अनुभव कर दर्शन का लाभ लिया।

बूथ बिस्तार 2 अभियान के तहत बिधानसभा गोहद के मंण्डल मौं सक्ति केंन्द देहगांव के बूथ क्रमांक 222 बडैंरा पर बूथ बिस्तार किया

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

बूथ विस्तारक 2अभियान के तहत पहुंचे भिंड प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया जी उनके साथ मैं मौं मंण्डल अध्यक्ष गोपाल सिंह कुशबाह मर्जाद सिंह यादव रामख्तयार गुर्जर रामकुमार जादोंन पिंछडा बर्ग मौर्चा मंण्डल अध्यक्ष रघुराज सिंह गुर्जर मंण्डल मिडिया प्रभारी सोमबीर सिबहरे मंण्डल उपाध्यक्ष धर्मेन्द राणा ध्यानेन्द जाटव राहुल गुर्जर देविन्द राणा पंकज शर्मा जितेन्द राणा सतेंन्द सिंह केहरी सिंह बलजीत सिंह भगबान सिंह कीरत सिंह बच्चू सिंह खच्चू राणा भोलाराम अनिल राणा आदि उपस्थित रहे

रामनवमी का पर्व धूम-धाम से मनाया

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ‍- रामनवमी का पर्व धूम-धाम से मनाया । जिसमे गौ सेवा समिती

वरमाव रोड और मार्किट आसोशियन की ओर से रामनवमी का पर्व मनाया गया । जिसमे गौ सेवा समिति की ओर से भजनों का आयोजन रखा गया । जिसमें भजन गायक कलाकार सत्य नारायण गेनाराम सीरवी एंड पार्टी ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक बसवराज एंव पार्सद वेंकी सर उपस्थित रहे ।इस कार्यक्रम में गौ सेवा समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

राम नवमी का पर्व पर श्रद्धालुओं को किया प्रसाद का वितरण

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु. जिला के बनूर स्थित राम मंदिर में आज राम नवमी मनाई गई द्य राम

प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजन किया गया द्य छाछ,तरबूज मिश्रित पेय प्रसाद के रूप में भक्तो में वितरित की गई द्य इस अवसर पर पर्यावरण जागृति वेदिके बनूर के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित, राम मंदिर के पुजारी कृष्ण स्वामी, भक्त श्रीनिवास, विठ्ठलराज, रोशन सिंह, लक्ष्मी, भाग्य, दर्शन सिंह, नारायणप्पा आदि उपस्थित रहे।

रूपावास गांव के मुख्य चौराहे पर 51 फीट ऊंचा लगाया भगवा ध्वज

पुष्पांजलि टुडे पाली राजस्थान

रुपावास पाली। रामनवमी के शुभ अवसर पर रूपावास गांव के मुख्य चौराहे पर 51 ड़ीट ऊंचाई पर भगवा ध्वज फहराया ।कार्यक्रम में गुरुदेव मन मोहनदास जी महाराज की ओर से सानिध्या मे प्राप्त विधी विधान मंत्रोंच्चार पुजा अर्चना कर साथ मे ढोल नगाड़ा व गाजे बाजे पुष्प फुलो की वर्षा के जय श्री राम भारत माता की जयकारे लगाये । इस कार्यक्रम में समाजसेवी हरिभाई पटेल, सरपंच सुरेश बंजारा, पुखजी मालवी, खेताराम भाटी, देवेंद्र पटेल , आशु, किसन, सांवल पटेल ,पुनाराम, प्रकाश सैन, तुषार भाटी, थानेश, नितेश, हेमाराम, नरेश पंवार, मनीष जांबडा, ओमाराम बंजारा अशोक बंजारा, शीलू, भगराज गोविंद धनराज भाटी ओर समस्त ग्रामवासियों का योगदान सरहानीय रहा ।

दबोह में माता के जयकारों के साथ मन्दिर पर चड़े जबारे, उमड़ा भक्तों का भारी जनसैलाब

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। क्षेत्र के प्राचीन मंदिर रणकौशला देवी माँ के दरबार मे स्थानीय और बाहर से आये हुए श्रद्धालुओं ने जबारे चड़ाए।गुरुवार को नवरात्रि की नवमी के दिन माँ का दिव्य दरवार सजाया जाता है।इसके साथ ही एक विशाल मेला भी लगता है।चैत्र मास की नवरात्रि में माँ रणकौशला के मंदिर पर नौ दिन तक भक्तो के आने का सिलसिला जारी रहता है।लोगो के द्वारा चैत्र व कार्तिक की नवरात्रों में क्षेत्र में भक्त अपने अपने घरों पर माँ का स्वरूप माने जाने बाले जबारे भी बोते है साथ ही उन जबारो की नौ दिन तक माँ की शक्ति के भाव से सेवा करते है।फिर इन जबारो को माता,बहिने अपने सर पर रखकर पैदल माँ के दरबार पर चड़ाने के लिए ले जाती हैं।गुरुवार को रामनवमी के दिन माँ के भक्तों ने मातारानी के जयकारों के साथ डीजे पर युवा नाचते,थिरकते माँ के दरवार पहुंचे और उन्होंने अपने-अपने जबारे मातारानी को अर्पित किए।माता के दरबार मे बुधवार रात से जबारे चड़ाने का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है।वहीं मंदिर पर सुरक्षा की कमान थाना प्रभारी संजीव तिवारी समेत थाना दबोह स्टाफ ने सम्भाली।

अनोखी है महिमा माँ रणकौशला देवी की-दबोह नगर से केबल 2 किमी की दूरी पर ग्राम अमाहा क्षेत्र में वर्षो पुराना ऐतिहासिक शक्ति पीठ मां

रणकौशला(रेहकोला)देवी माता का मंदिर है।जो कि हमेशा की तरह फिर अपने निखार के साथ आकर्षण का केंद्र बना।यहां बता दें कि नवरात्रि मे रोजाना हजारों श्रदालु माता के दर्शन करने सुबह 3 बजे से ही पहुंचने लगते है।देवी माँ का का मंदिर ऐसा हैं जहां उनकी पूजा एक अदृश्य शक्ति करती है।इस शक्ति मंदिर से जुड़े कई रहस्य है।इस मंदिर में उनके परम भक्त वीर मलखान देवी की पूजा कपाट खुलने से पहले ही करते हैं ऐसा क्षेत्रीय लोगो का मानना है।रेहकोला देवी को माँ रणकौशला देवी के नाम से भी जाना जाता है।मान्यता है कि इस मंदिर में आने से सभी इच्छाएं और मनोकामनाएं पूर्ण होती है।इस मंदिर से एक बेहद आश्चर्यजनक बात जुड़ी है।कहा जाता है कि इस मंदिर में एक अदृश्य शक्ति पूजा करने आती है और सर्वप्रथम देवी की पूजा ये शक्ति ही करती है शक्ति के उपासकों के लिए देवी का ये मंदिर बहुत महत्व रखता है।

हजारवीं शताब्दी पुराना है माता का मंदिर-रेहकोला देवी का मन्दिर हजारवीं शताब्दी का बताया जाता है।इसका निर्माण चन्देल राजाओं ने कराया था और यहां देवी दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना आल्हा उदल के बड़े भाई सिरसा राज्य के सामन्त वीर मलखान एवं उनकी पतिव्रता पत्नी गजमोतिन ने की थी वीर मलखान देवी के बहुत बड़े भक्त माने जाते है।वहीं मन्दिर परिसर में नवरात्रि के दिन हजारो की संख्या में श्रद्धालुओं का तांता लगता है क्यों कि नवरात्रि पर माँ के दर्शन के लिए मध्यप्रदेश सहित उत्तरप्रदेश,राजस्थान व अन्य कई राज्यो के लोग आते हैं।

विधायक ने किया 67 लाख रुपए से बनने वाली बगरोदा की मुख्य सड़क का भूमि पूजन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में गांव गांव तक बिछाया जा रहा है सड़कों का जाल - हरि सिंह सप्रे

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर, अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। गुरुवार को ग्राम पंचायत बगरोदा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सर्वप्रथम उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों व ग्रामीणजनों की मौजूदगी में पीडब्ल्यूडी विभाग की 67 लाख की लागत से बनने वाली मुख्य सड़क का भूमि पूजन किया। ज्ञात हो कि बगरोदा की सड़क के लिए कई बार आंदोलन भी हो चुके थे। ग्रामीण कई वर्षों से सड़क की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जिला कलेक्टर तक को ज्ञापन सौंप चुके थे। जिसके बाद कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने विशेष निधि के तहत इस सड़क को पीडब्ल्यूडी विभाग में जुड़वा कर इसका गुरुवार को भूमि पूजन किया। विधायक ने मंच से ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान से इस सड़क को लेकर बात की तो उन्होंने विशेष राशि स्वीकृत कर गांव के लिए सौगात दी है। वहीं उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम है कि प्रदेश के किसानों की आमदनी बड़ी है और किसान समृद्धि की राह पर आगे बड़े हैं। आज मध्य प्रदेश की आर्थिक स्थिति अन्य राज्यों से काफी बेहतर है। भाजपा सरकार विकास की राह पर सबसे आगे है। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा मध्य प्रदेश की युवाओं को विशेष अवसर एवं मंच प्रदाय करने सांस्कृतिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ने एवं उनके प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रहे हैं एवं लाडली बहना योजना के माध्यम से लाखों बहनों को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। वही उन्होंने कहा कि मैं यहीं तक रुकने वाला नहीं हूं इस सड़क को जल्द ही प्रधानमंत्री सड़क योजना से जुड़वा कर बगरोदा को परसोरा एवं चाठोली की मुख्य सड़क से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता भगवत सिंह रघुवंशी, नरेंद्र पालीवाल, विक्रम सिंह, पथरिया मंडल अध्यक्ष राकेश रघुवंशी, महामंत्री अरविंद रघुवंशी, राजेश प्रभाकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित साहू, सरपंच प्रतिनिधि विक्रम सिंह परिहार, प्रमोद रघुवंशी, शिवराज रघुवंशी देवी सिंह, पप्पू मालवीय सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं ग्रामीण जन मौजूद रहे।

लहार नगर में सजा हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम का दिव्य दरबार

दिव्यांश बालाजी के भजनों पर थिरकने पर मजबूर हुए श्याम भक्त

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। लहार नगर के पटेल गार्डन में हारे के सहारे बाबा खाटू श्याम का दरबार सजाया गया।जिसमे बाबा

की ज्योति के दिव्य दर्शन,छप्पन भोग,पुष्पवर्षा व इत्रवर्षा भी शामिल रही।बाबा का दरबार नगर के कुचिया परिवार द्वारा बेटे अर्पित कुचिया की चतुर्थ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सजाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार 29 मार्च 2023 को रात्रि 08:00 बजे हुआ।श्याम कीर्तन में बाहर से आये हुए आमंत्रित भजन गायकों ने शमा बांध दिया और अपने मनमोहक भजनों से रात भर बाबा को रिझाया।इस श्याम कीर्तन में भजन प्रवाहक के रूप में जयपुर से रजनी राजस्थानी व ग्वालियर से दिव्यांश बालाजी मौजूद रहे।बाबा का मनमोहक दिव्य दरबार को ग्वालियर से आये राजेंद्र जी गौड़(श्याम दरबार सेवक)व कलाकारों के द्वारा मनमोहक रूप देकर सजाया गया था।वहीं श्याम कीर्तन कार्यक्रम में शानदार म्यूजिक हीरा साउंड के द्वारा दिया गया।सबसे पहले श्याम कीर्तन में युवा भजन गायक दिव्यांश बालाजी ने अपनी शानदार प्रस्तुति से बाबा श्याम को रिझाया और बाबा के दरबार मे मन को मोह लेने बाले भजनों की प्रस्तुतियां दी।दिव्यांश बालाजी ने अपने सुरों का जादू बहुत खूब दिखाया और जमकर बाबा का रिझाया।दिव्यांश के भजनो ने श्याम भक्तो को ताली बजाने और नाचने पर मजबूर कर दिया।अपनी वाणी को विराम देने से पहले कीर्तन में दिव्यांश बालाजी ने एक अलग ही जलवा बिखेर दिया।जिससे सभी भक्त श्याम रस रंग में सराबोर होकर अपने पैरों पर खड़े हो गए भक्ति धारा में मस्त होकर झूमने लगे।वहीं जयपुर से आई रजनी राजस्थानी के भजनों ने भी बाबा श्याम को रिझाया और मनमोहक भजन सुनाए।इसके पश्चात बाबा की आरती कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया और कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डिप्टी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भिण्ड ने सचिव सुरेश सिंह कुशवाह एवं अतुल प्रताप सिंह कुशवाह का 07 दिवस का वेतन काटने निर्देश दिए

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । डिप्टी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भिण्ड पराग जैन ने निर्देशों के अनुरूप समय-सीमा में कार्य संपादित न करने एवं वरिष्ठालय के आदेशों की निरन्तर अवहेलना करने पर सुरेश सिंह कुशवाह सचिव ग्राम पंचायत भगवासी एवं अतुल प्रताप सिंह कुशवाह सचिव ग्राम पंचायत ककहरा का 07 दिवस का वेतन काटने निर्देश दिए। डिप्टी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भिण्ड ने पत्र जारी कर कहा है कि लाड़ली बहना योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतों में प्रति दिवस कैम्प का आयोजन किया जाकर 50 आवेदन ऑनलाईन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, निरीक्षण के दौरान सुरेश सिंह कुशवाह सचिव ग्राम पंचायत भगवासी एवं ग्राम पंचायत कनावर में उक्त कार्य हेतु अतुल प्रताप सिंह कुशवाह, सचिव ग्राम पंचायत ककहरा (अनुलग्न जनपद पंचायत भिण्ड) कार्य स्थल पर उपस्थित नहीं पाये गये एंव उनके द्वारा कैम्प का आयोजन नहीं किया गया तथा आवेदन ऑनलाईन फीडिंग कार्य नहीं किया जा रहा था स्पष्ट है कि पदस्थ दोनों सचिवों के द्वारा दिये जा रहे निर्देशों के अनुरूप कार्य संपादित न करते हुये वरिष्ठालय के आदेशों की निरन्तर अवहेलना की जा रही है। आदेशों की अवहेलना एंव समय-सीमा में कार्य संपादित न किये जाने से संबधित का 07 दिवस का वेतन तत्काल प्रभाव से काटा जाता है। संबंधित के माह मार्च 2023 के वेतन से 07 दिवस का वेतन काट कर वेतन का भुगतान किया जावे।

संत, भक्त और ब्राह्मण का कभी भी अपमान नहीं करना चाहिए: किशोरी वैष्णवी गर्ग

पुष्पांजली टुडे

दमोह। टंडन परिवार द्वारा ग्राम घुघरी कुम्हारी में दिनांक 27 मार्च से 1 अप्रैल तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।कथा के पंचम दिवस पूज्य किशोरी वैष्णवी गर्ग जी कथा की शुरुआत करते हुये कहा हम सभी जिनके द्वारा चलित है जिनके द्वारा रचित है अर्थात जिनके बिना हम कुछ नहीं है आज उन्ही की परम कथा में हम बैठे है और उनकी कथा सुनने का अवसर हमें प्राप्त हुआ है। और अगर वो नहीं होते तो हम लोग भी नहीं होते। उस परम पूज्य परमात्मा की अनुकम्पा का ये दिव्य दर्शन है। कि पंचम दिवस के कथा क्रम में दशम स्कन्द के विशेष जो की भागवत का प्राण है। भागवत का प्राण क्यों है ? क्योंकि इसमें भगवान श्री कृष्ण के बाल लीलाओं के विशेषता का वर्णन किया गया। और भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का श्रवण, गायन दोनों ही जैसे एक चुम्बक, चुम्बक जैसे लोहे को अपनी तरफ खींचती है। वैसे भगवान की बाल लीलाएं श्रवण करने वाले का मन भगवान श्री कृष्ण पूर्ण युगेश्वर के शरणागति हो जाता है। चुम्बक की तरह खींचा हुआ चला जाता है। और वो भाग्यशाली है जिन्होंने अपने जीवन का धेव भगवान श्री कृष्ण के बाल चरित्रों को श्रवण करने का बना रखा है। किशोरी जी ने आगे कहा कि शास्त्रों में, पुराणो में, रामायण में हर जगह पर मानव जीवन की विशेष बाते लिखी है की मानव जैसा जीवन किसी ओर का नहीं है। जब भगवान मानव जीवन देते हैं इसका मतलब है भगवान तुम्हे मुक्ति प्राप्त करने का, ईश्वर को प्राप्त करने का अवसर देते हैं। अगर तुम मानव जीवन में आ गए हो तो भगवान ने कह दिया है की मैं तुमसे

मिलने के लिए तैयार हूं लेकिन ये तुम्हारे कर्मों पर निर्भर करता है की तुम अच्छे मानव बन पाए, भक्त बन पाए तो तुम मुझसे मिलने के अधिकारी हो जाओगे। पूज्य किशोरी जी ने पंचम दिवस की कथा प्रारंभ करते हुए श्री राम ओर कृष्ण जन्म पर दसरथ जी ओर नंद बाबा की खुशी का वृतांत सुनाते हुए कहा की जब प्रभु ने जन्म लिया तो वासुदेव जी कंस कारागार से उनको लेकर नन्द बाबा के यहाँ छो? आये और वहाँ से जन्मी योगमाया को ले आये। नंद बाबा के घर में कन्हैया के जन्म की खबर सुन कर पूरा गोकुल झूम उठा। किशोरी जी ने कथा का वृतांत बताते हुए पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए कहा की पुतना कंस द्वारा भेजी गई एक राक्षसी थी और श्रीकृष्ण को स्तनपान के जरिए विष देकर मार देना चाहती थी। पुतना कृष्ण को विषपान कराने के लिए एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर वृंदावन में पहुंची थी। जब पूतना भगवान के जन्म के 6 दिन बाद प्रभु को मारने के लिए अपने स्तनों पर कालकूट विष लगा कर आई तो मेरे कन्हैया ने अपनी आँखे बंद कर ली, कारण क्या था। क्योकि जब एक बार मेरे ठाकुर की शरण में आ जाता है तो उसका उद्धार निश्चित है। परन्तु मेरे ठाकुर को दिखावा, छलावा पसंद नहीं, आप जैसे हो वैसे आओ। रावण भी भगवान श्री राम के सामने आया परन्तु छल से नहीं शत्रु बन कर, कंस भी सामने शत्रु बन आया पर भगवान ने उनका उद्दार किया। किशोरी जी ने कहा संतो ने कई भाव बताए है कि भगवान ने नेत्र बंद किस लिए किए ? इसका तो नाम ही है पूतना, इसके तो पूत है ही नहीं, कितना अशुभ नाम है पूतना। एक ओर भाव है कि इसे किसी के पूत पसंद भी नहीं हैं इसलिए बच्चों को मारने जाती है। भगवान जो भी लीला करते हैं श्रीकृष्ण ने सोचा कि सब रस तो ले चुका हूँ अब रसा (पृथ्वी) रस का आस्वादन करूँ। पृथ्वी का नाम क्षमा भी है। अतः श्रीकृष्ण ने क्षमारूप पृथ्वी अंश धारण किया। भगवान व्रजरज का सेवन करके यह दिखला रहे हैं कि जिन भक्तों ने मुझे अपनी सारी भावनाएं व कर्म समर्पित कर रखें हैं वे मेरे कितने प्रिय हैं। भगवान स्वयं अपने भक्तों की चरणरज मुख के द्वारा हृदय में धारण करते हैं। पृथ्वी ने गाय का रूप धारण करके श्रीकृष्ण को पुकारा तब श्रीकृष्ण पृथ्वी पर आये हैं। इसलिए वह मिट्टी में नहाते, खेलते और खाते हैं ताकि पृथ्वी का उद्धार कर सकें। अतरू उसका कुछ अंश द्विजों (दांतों) को दान कर दिया। गोपबालकों ने जाकर यशोदामाता से शिकायत कर दीदृ'मां ! कन्हैया ने माटी खायी है।' उन भोले-भाले ग्वालबालों को यह नहीं मालूम था कि पृथ्वी ने जब गाय का रूप धारणकर भगवान को पुकारा तब भगवान पृथ्वी के घर आये हैं। पृथ्वी माटी,मिट्टी के रूप में है अतरू जिसके घर आये हैं उसकी वस्तु तो खानी ही पड़ेगी। इसलिए यदि श्रीकृष्ण ने माटी खाली तो क्या हुआ। श्रीमद् भागवत कथा के इन षष्ठम दिवस पर उद्धव चरित्र, रूक्मिणी विवाह, रास पंचाध्यायी का वृतांत सुनाया जाएगा मुख्य यजमान एड.बिपिन टंडन ,प्रदीप टंडन ,नवीन टंडन, राजकुमार टंडन है के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

महामाई के दरबार में आज होगी महायज्ञ की पूर्णाहूतीः विशाल भंडारा

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। क्षेत्र के जन जन की आराध्य देवी माँ महामाई के दरबार मे लोक कल्याण के लिए आयोजित हो रहे श्री विद्या दुर्गा शतचंडी महायज्ञ की शुक्रवार को सम्पन्न होगा। रावण दहन के उपरांत होने वाली

महारास के साथ होगी बृज की होली

पूर्णाहूति होगी। यज्ञ की पूर्णाहूति ओर महाआरती उपरांत नवकन्याओ का पूजन एवं विशाल भंडारे की प्रसादी का भी वितरण होगा। महामाई सेवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रत्येक गाँव के हर घर मे महामाई के भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने के लिए आमन्त्रित भी किया जा रहा है। यज्ञ की पूर्णाहुति ओर भंडारे के लिए समिति द्वारा व्यापक इंतजाम भी किए जा रहे हैं। महामाई के अनन्य भक्त एवं संरक्षक, विधायक उमाकान्त शर्मा ने भी मातारानी के सभी भक्तों को पई,पान,चूल से निमंत्रण देते अपने नाते रिश्तेदारों,गाँव गली मोहल्ले के नागरिकों को मातारानी के महायज्ञ की महाप्रसादी ग्रहण करवाने का न्यौता देते हुए उन्हें अपने साधनों से लाने का भी आग्रह किया है।

चैत्र नवरात्रि उत्सव के दौरान डांगवाली महामाई के दरबार मे आयोजित हो रहे विशाल मेला महोत्सव में लगातार नौ दिनों से आयोजित हो रहे मेले का शुक्रवार को धूमधाम के साथ समापन होगा। इस अवसर पर मेला प्रांगण में आयोजित हो रही रामलीला में रावण दहन, आतिशबाड़ी, और श्रीराम राज्याभिषेक भी आतिशबाजी इस बार आकर्षण का केंद्र रहेगी। रामलीला में रावण दहन के उपरांत होने वाली रंगबिरंगी, किले की आतिशबाजी के साथ इलेक्ट्रॉनिक आतिशबाजी को भी शामिल किया है।

पूजन, भंडारा-महामाई के दरबार की विशाल यज्ञशाला में आयोजित हो रहे श्री विद्या दुर्गा शतचंडी महायज्ञ के पूर्णाहूति उपरांत महाआरती होगी। इसके बाद गाजे बाजे के साथ धूमधाम से महामाई मंदिर

महारास के साथ होगी बृज की होली-महामाई मंदिर के प्रांगण में आयोजित हो रही रामलीला के पांडाल में शुक्रवार दोपहर तीन बजे से बृज के बरसाने से आए मंडल द्वारा दोपहर तीन बजे से कृष्ण लीला अंतर्गत लट्ठमार ओर फूलों की होली होगी। इसके लिए पाँच किवंटल फूल बुलाए गए हैं।

महाआरती उपरांत होगा छप्पन भोग, नवकन्या पहाड़ी की परिक्रमा होगी। परिक्रमा के उपरांत यज्ञशाला ले समीप ही माता के स्वरूप में सजी नौ कन्याओं का पूजन दर्शन होगा। इसके बाद मेला परिसर के पास बनाए गए बीस गालों में बैठाकर मैया के भंडारे की प्रसादी का वितरण किया जाएगा। शाम छह बजे से प्रारंभ होने वाले भंडारे के लिए समिति द्वारा परोसदारी के लिए दो पालियों में टीमें बनाई गई है।

नवांकुर एवं गुणवंता युवा जनकल्याण संस्था ने रामनवमी पर किया भंडारे का आयोजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड लांजी की नवांकुर संस्था एवं गुणवंता युवा जनकल्याण संस्था सावरीकला के द्वारा रामनवमी के पावन पर्व पर मां दुर्गा मंदिर सावरीकला में महाप्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखा गया। उक्त कार्यक्रम में विकासखंड लांजी सेक्टर क्रमांक 4 के परामर्शदाता अशोक घरते एवं नवांकुर संस्था के अध्यक्ष मुनेश पटले, सचिव रविप्रकाश गौतम, सहसचिव प्रदीप ठाकरे, उपाध्यक्ष धनसिंह गौतम, सामाजिक कार्यकर्ता चयनसिंह पटेल के द्वारा महाप्रसाद में वितरण करते समय सहयोग प्रदान किया गया और ग्राम के सभी युवा साथियों के द्वारा प्रसाद वितरण में सहयोग प्रदान किया गया। इस दौरान ग्रामीण जनता को स्वच्छता, अपनाने तथा जल संरक्षण के लिए बाग नदी में बोरी बंधान कार्य करने एवं नशामुक्ति के बारे में बताया गया।

लांजी थाना परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ हुआ कन्या भोज तथा महाप्रसादी का वितरण

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

लांजी पुलिस प्रशासन अपने कर्तव्यों के साथ साथ धार्मिक आयोजनों मे भी हमेशा से अग्राणी रहा है। विगत वर्षों से देखा गया है कि लांजी पुलिस के द्वारा पुलिस थाना परिसर स्थित श्री हनुमान मंदिर में अनेकों धार्मिक आयोजन किये गये है। जिनमे सुन्दर काण्ड, हनुमान चालिसा, शिवरात्रि पर्व सहित नवरात्रि पर्व पर भी मातारानी की विशेष आराधना की गई है। इसी कड़ी में 30 मार्च को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लांजी दुर्गेश आर्मो के द्वारा नवरात्रि की नवमी पर्व पर श्री हनुमान मंदिर परिसर में नौ कन्या भोज एवं महाप्रसादी का आयोजन

किया गया। प्रात:-काल में श्री हनुमान जी की विधि पूर्वक पूजन अर्चन करने के उपरांत, कन्या भोज के लिये आमंत्रित नौ कन्याओ को मंदिर परिसर के समीप आसन देकर सभी कन्याओ की एसडीओपी दुर्गेश आर्मो एव लांजी थाना प्रभारी दिनेश कुमार सोलंकी, किरनापुर थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा, हट्टा थाना प्रभारी, देवरबेली चौकी प्रभारी एवं लांजी डिविजन अंतर्गत आने वाले सभी चौकियों के प्रभारी तथा समस्त पुलिस बल के द्वारा माता रूपी नौ कन्याओं का तिलक वंदन कर पूजन किया गया तथा कन्याओं को माता रानी का प्रिय भोजन चना, पुड़ी, हल्वा का प्रसाद कन्याओं को वितरित किया गया। भोग के पश्चात कन्याओ को भेंट देकर महा प्रसाद का आयोजन किया गया था जंहा समस्त पुलिस अधिकारी एवं स्टाफ तथा पत्रकार उपस्थित रहे।

लांजी, भानेगांव एवं लालबर्रा में संपन्न हुआ निःशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

महावीर इंटरनेशनल लांजी के द्वारा प्रतिमाह निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया जाता हैं। इसी कड़ी में 30 मार्च को लांजी एव भानेगांव में निशुल्क

मोतियाबिंद नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में ग्रामीण समाजसेवी का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। मोतियाबिंद मरीजों को संस्था के द्वारा महावीर सेवा के माध्यम से सारी सुविधाओं के साथ ऑपरेशन के लिए प्रस्थान किया जायेगा। महावीर इंटरनेशनल रीजन-9 डिप्टी डायरेक्टर एवं चेयरमैन लांजी श्री विशाल राउत खोंगल ने बताया कि 30 मार्च को समय प्रातः 11 बजे से 4 बजे तक बहेला तथा साडरा में निशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर जारी रहा। शिविर में 315 लोगों का पंजीयन किया गया तथा 76 मरीज मोतियाबिंद चयनित किए गए। कुछ मरीज बीपी शुगर में कारण अनफिट पाए गए। निशुल्क मोतियाबिंद की जांच में संस्था के प्रशिक्षक डॉ कर्मवीर सिंह, अरशद खान, इंद्रकुमार राजा भूते के द्वारा उनकी आंखों की जांच एवं उनके स्वास्थ्य की जांच निशुल्क बीपी शुगर तथा संबंधित रोगों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर विशाल राउत खोंगल डिप्टी डायरेक्टर × चेयरमेन लांजी, अरशद खान, इंद्रकुमार राजा भूते, नंदकिशोर बिलावर, फणींद्र दुरूगकर, रामकुमार खरगाल, उमाकांत उपराडे ,राधेश्याम नखाते उपसरपंच लाडसा , पवन खरखाते, जगन्नाथ दादू नाकतोड़े, रूपेश नखाते एवं समस्त स्थानिय जन तथा सभी सदस्यों का योगदान प्राप्त हुआ।

लालबर्रा में भी संपन्न हुआ निःशुल्क नेत्र जांच शिविर-महावीर इंटरनेशनल लांजी के चैयरमेन विशाल राउत खोंगल के द्वारा विकासखण्ड लालबर्रा में निशुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्था के प्रशिक्षित डाक्टर विवेक कारे के द्वारा उपस्थित सभी पीड़ितों का प्राथमिक उपचार के दौरान उनकी आंखों की जांच एवं उनके स्वास्थ्य की जांच निशुल्क बीपी शुगर तथा संबंधित रोगों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। तदोपरांत मोतियाबिंद मरीजों को संस्था के द्वारा महावीर सेवा के माध्यम से सारी सुविधाओं के साथ ऑपरेशन के लिए प्रस्थान किया जायेगा। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के सभी सदस्यों का योगदान प्राप्त हुआ।

गोहद थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो अलग-अलग जगहों से अवैध दो कट्टे एवं राउंड के साथ पकड़े आरोपी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद- पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जॉन मुर्रैना के द्वारा आर्म्स एमुनेशन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में एसडीओपी गोहद सौरव कुमार के नेतृत्व में थाना गोहद पुलिस द्वारा अलग- अलग पार्टी बनाकर शहर में आने जाने वाले मार्गो पर चैकिंग लगाकर तलाशी अभियान चलाया गया इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर नया बस स्टैण्ड शराब की दुकान के पीछे गोहद एवं जैन मंदिर के पास से अलग अलग आरोपीयों को पकड़ा तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से 315 बोर का एक एक कट्टा एवं एक एक जिन्दा राउन्ड जप्त कर आरोपीयों को गिरफ्तार किया गया । उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए ।. उक्त कार्यवाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने बाले अधिकारी / कर्मचारीगण जिनमें निरीक्षक राजकुमार शर्मा, उनि. ध्यानेन्द्र सिंह, एएसआई कौशलेन्द्र सिंह, मनोज शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह,संतोश सिंह, सुनील कुबेर, सत्यनारायण सिंह भदौरिया,पदम सिंह की सराहनीय भूमिका रही है ।

श्रीराम जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभा यात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

जय श्री राम के नारों से गुंजायमान हुआ, सिरोंज एवं कुरवाई विधायक हुए शामिल

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्ट
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर शहर में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। नगरवासियों ने जगह-जगह भगवान श्रीराम और उनके भक्तों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। डी.जे. धुन की श्रीराम भक्त हिन्दुत्व के भक्तिमय गीतों पर नृत्य करते चल रहे थे। शोभा यात्रा केशरियां और भगवा रंग में रंगी हुई थी। दोपहर एक बजे छत्री नाका चौराह हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा कस्टम पथ, कठाली बाजार, चांदनी चौक, सराफा बाजार, राज बाजार, हाजीपुर, बासौदा नाका, लिंक रोड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः छत्री नाका हनुमान मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। वही शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान श्री राम का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सुबह होते ही सारे मंदिरों को सजाया गया और शाम होते ही मंदिरों में भजन, कीर्तन और पूजन अभिषेक शुरू हुआ। जन्मोत्सव को लेकर राम जन्म उत्सव समिति के तत्वधान में रघुवंशी समाज ने एक विशाल चल समारोह निकाला। यह चल समारोह नगर के छत्रीनाका स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ किया गया। इस विशाल चल समारोह की अगवानी विभिन्न बाजयंत्र सहित डीजे से की जा रही थी। इस बीच युवा संगीतमय भजनों की धुन पर थिरकते हुए युवा चल रहे थे। इस चल समारोह में भगवान श्री राम की आकर्षक झांकी सजाई गई थी। वहीं चल समारोह में विराजित भगवान श्री राम के स्वरूप का पूजन-अर्चन किया गया। इसके अलावा ढोलों की थाप भी युवा नाचते गाते चल रहे थे। शोभायात्रा में बनाई गई श्री राम की सुंदर झांकी आकर्षण का केंद्र रही जो दिन भर नगर में चर्चा का विषय बनी रही क्योंकि पालकी में विराजमान भगवान श्री राम रथ पर हाथ में धनुष बाण लिए बैठे हुए थे। इसके आलावा तोप से फूलों की बारिश की जा रही थी। भक्त भगवान के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान पूरा माहोल राममय हो गया। इस भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

शोभायात्रा में भाजपा के दोनों विधायक हुए शामिल -नगर में निकली भगवान श्री राम जन्म उत्सव को लेकर इस भव्य शोभायात्रा में सर्वप्रथम छतरी चौराहे पर कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे ने भगवान श्री राम की झांकी पर माल्यार्पण कर उनकी आरती उतारी और यात्रा में शामिल हुए। तो वही मुख्य बाजार में सिरोंज - लटेरी विधायक उमाकांत शर्मा भी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत करने पहुंचे उन्होंने यात्रा में आए भक्तों पर पुष्प वर्षा कर कुछ देर तक यात्रा के साथ ही चले। इसके अलावा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश यादव, सपा नेता असलम गौरी, अन्य राजनीतिक पार्टियों के प्रमुख भी अपने कार्यकर्ताओं के साथ शामिल हुए। इसके अलावा क्षेत्र के सभी सामाजिक संगठनों राजनीतिक संगठनों एवं धार्मिक संगठनों के द्वारा शोभा यात्रा का स्वागत किया गया।

प्रशासन के आश्वासन पर सरपंच ने समाप्त की भूख हड़ताल

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत बापड़ी के सरपंच खेमराज मच्छिरके के द्वारा अपनी भूख हड़ताल प्रशासन के आश्वासन पर समाप्त कर दी गई है। लांजी तहसीलदार सतीश चौधरी ने भूख हड़ताल पर बैठे सरपंच खेमराज मच्छिरके को जूस पिलाकर इस हड़ताल को समाप्त कराया गया। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत बापडी के सरपंच खेमराज मच्छिरके विगत 24 मार्च से अपनी 15 सूत्रीय मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे थे। जंहा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का भी भरपूर समर्थन मिला। हड़ताल के तीसरे दिन ग्राम पंचायत आवा के सरपंच एवं सरपंच संघ के अध्यक्ष ललीत कबीरे भी अपने साथियों के साथ पहुंचे और उनका हालचाल जाना था। मच्छिरके ने बताया कि कार्यवाही के नाम पर कुछ भी नहीं किया गया जिसके कारण वे भूख हड़ताल पर बैठे हैं और जब तक सरपंच की शिकायतों का निराकरण नहीं किया जाता तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। वहीं हड़ताल के दौरान लांजी सिविल अस्पताल से लगातार डाक्टर की टीम सरपंच के स्वास्थ्य की जांच करती थी। भुख हड़ताल के सातवें दिन प्रशासन के आश्वासन पर लांजी तहसीलदार सतीश चौधरी, नायब तहसीलदार दिग्विजय, पंचायत समन्वयक राजेन्द्र तांडेकर, राजकुमार नागेश्वर एवं पीडी भालाधरे ने ज्यूस पिलाकर सरपंच खेमराज मच्छिरके की भुख हड़ताल समाप्त करवाया गया। ग्रामीण जनों ने खेमराज मच्छिरके को सम्मान सहित उनके निज निवास छोड़ दिया।

वारी स्थित मां पांडरी पाठ धाम में जवारे हुए विसर्जित

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

प्रकृति की खूबसूरत वादियों में बसा मां पांडरी पाठ धाम जहां शक्ति व भक्ति के आराधना का चैत्र नवरात्र पर्व श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। सप्ताह भर से वारी मंदिर में देवी गीत भजनों व विविध कार्यक्रमों की गूंज के अलावा माता का जगराता कर भेंटे भी गाई जा रही थी। वहीं 29 मार्च को चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर ज्योति कलश स्थल पर भोर से ही अष्टमी चढ़ाने का क्रम प्रारंभ रहा जो शाम तक चलता रहा। माता रानी के दरबार में श्रृंगार के साथ ध्वजा, अठवाईयां, चुनरी चढ़ाकर विशेष आराधना की गई। तथा ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर वारी जलाशय में विसर्जित किया गया। वहीं 30 मार्च को प्रातः समय में जवारे निकाले गए एवं विसर्जन किया गया तथा महाप्रसाद वितरित की गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

आयोजन समिति ने जताया आभार-मां पांडरी पाठ माई मंदिर के संरक्षक रेखलाल कावरे पंडा बाबाजी, संरक्षक डाक्टर सुधीर दशरिया, सरपंच वारी रिषी पटेल दशरिया, हिरेलाल चौधरी, रामदास खरे, श्रीचंद कावरे, सत्या पांचे, दिनेश कावरे, अनिल कावरे, धर्मेन्द्र पांचे, शिवप्रसाद मात्रे, विजय पांचे, कालूराम पांचे, नारायण पंजरे, सुरेश पंजरे, ज्ञानचंद पंजरे, धनराज मरठे, सुखदास इनवाती, बेनीराम इनवाती एवं बंसी जी एवं समस्त ग्रामवासियों ने धार्मिक कार्यक्रम के सफलतम आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

दंगल कुश्ती युद्ध कला का एक स्वरूप है यह हमारी भारतीय संस्कृति की पहचान : ओपीएस भदौरिया

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत रामनवमी को अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर उनसे रूबरू हुए और कई कार्यक्रमों में शिरकत की। राज्यमंत्री श्री भदौरिया ने अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अकलौनी काला में नवरात्रि में आयोजित विशाल दंगल में पहुंचकर शामिल हुए और जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि दंगल कुश्ती युद्ध कला का एक प्रारूप है। जहां पहलवान मिट्टी पर इस खेल का अभ्यास करते हैं, जिसे अखाड़ा कहा जाता है। पहलवान यहां पर अपने गुरू के नेतृत्व में रहकर प्रशिक्षण हासिल करते हैं और पहलवानी के दांव पेच सीखते हैं। दंगल कुश्ती भारत के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में काफी प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि दंगल कुश्ती हमारे भारतीय संस्कृति की मुख्य पहचान है अखिल भारतीय स्तर के पहलवान यहां आकर अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त करते हैं। ऐसे जंगलों के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में होते रहें जिससे हमारी ग्रामीण क्षेत्र की जो पहलवान के रूप में अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन करते हैं वह बाहर निकल कर भी भिंड के पहलवानों ने अपना नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि अद्भुत पारंपरिक खेल है। यह भारत के सबसे पुराने खेलों में से एक है और प्रागैतिहासिक काल या लगभग 4000 ईसा पूर्व का है। कुश्ती का पहला उल्लेख महाभारत महाकाव्य में मिलता है। कुश्ती फ्री-स्टाइल कुश्ती से अलग है, जो पूरी दुनिया में प्रचलित है। कुश्ती का खेल तब समाप्त हो जाता था जब खिलाड़ियों में से एक अपनी हार का संकेत देता था। हालाँकि,आधुनिक मुकाबलों में अलग - अलग दौर होते हैं और एक रेफरी आवश्यक होने पर कदम उठाता है। ओलंपिक खेलों में अब इस खेल को प्रतियोगिताओं में से एक के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने अखाड़े में पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए दंगल की शुरुआत की। राज्यमंत्री भदौरिया भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण कटारे के कृषि फार्म पर पहुंचकर आयोजित भंडारे में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष के पी सिंह भदौरिया,भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अशोक भारद्वाज, प्रमुख नेता कौन उपस्थित थे।

टीकरी कला में 15 लाख की लागत से होने जा रहे मंदिर के बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया-भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन आवास राज्यमंत्री एवं मेहगांव विधानसभा से विधायक ओपीएस भदौरिया ने अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्राम टीकरी कला में होने जा रहे 15 लाख की लागत से मंदिर के बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य का भोजन किया और साथ ही सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी।

क्या सारा को नहीं पता रॉयलिटी का मतलब

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस सारा अली खान हिंदी सिनेमा के नवाब यानी सुपरस्टार सैफ अली खान की बेटी हैं. पटौदी खानदान से ताल्लुक रखने वालीं सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गैसलाइट को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई है. इस बीच सारा ने एक मीडिया इंटरव्यू में अपने फैमिली बैकग्राउंड को लेकर खुलकर बात की है. सारा ने बताया है कि उन्हें शाही यानी रॉयलिटी शब्द का मतलब ही समझ नहीं आता. दरअसल फिल्म गैसलाइट के प्रमोशन को लेकर दि हिंदू को एक इंटरव्यू दिया है. इस दौरान सारा से ये सवाल पूछा गया कि आप शाही परिवार पटौदी खानदान से नाता रखती हो तो लोग आपको राजुकमारी के नजरिए से देखते हैं इस पर आपको कैसा महसूस होता है. इस सवाल पर सारा ने बिंदास अंदाज में जवाब देते हुए कहा है कि- जब लोग इस तरह से सोचते हैं तो मुझे काफी हंसी वाला मुद्दा लगता है. मैं खुद को शाही रूप में नहीं देखती. मैं काफी हद तक एक मुंबई की लड़की हूं. मैंने अपने जीवन के ज्यादातर समय में अपनी मां अमृता सिंह के साथ मुंबई के जुहू में रही हूं. मैं अपने पापा (सैफ अली खान) से मिलने के लिए बांद्रा जाती हूं. मैं हिमाचल प्रदेश, केदारनाथ और जम्मू कश्मीर में अक्सर छुट्टियां मनाने जाती हूं. सीरियल मुझे नहीं पता की शाही शब्द का क्या मतलब होता है. सारा के इस बयान से ये साफ होता है कि एक्ट्रेस को इस बात को कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह शाही परिवार से आती हैं. वो खुद को आम इंसानों की तरह देखती हैं. सारा अली खान की आने वाली फिल्म गैसलाइट का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है. इस फिल्म के ट्रेलर ने फैंस की एक्साइटमेंट लेवल को हाई कर रखा है. ऐसे में गौर करें गैसलाइट की रिलीज डेट के बारे में तो सारा अली खान की गैसलाइट फिल्म 31 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है.

तू झूठी मैं मक्कार की कमाई नॉनस्टॉप

200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई रणबीर कपूर की फिल्म

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकार रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की जोड़ी ने फिल्म तू झूठी मैं मक्कार के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है. रिलीज के करीब 3 सप्ताह बाद भी तू झूठी मैं मक्कार सिनेमाघरों में जमकर धूम मचा रही है. जिसके चलते बॉक्स ऑफिस पर भी तू झूठी मैं मक्कार अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं. इस बीच अब खबर आ रही है कि दुनियाभर में कमाई के मामले में डायरेक्टर लव रंजन की इस फिल्म ने दोहरा शतक लगा दिया है. बॉलीवुड फिल्म तू झूठी मैं मक्कार दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतरी है. आलम ये है कि रिलीज के करीब 21 दिन बाद भी भारी तादाद में लोग तू झूठी मैं मक्कार को देखने के लिए सिनेमाघरों में आ रहे हैं. इस बीच मानव मंगलानी ने तू झूठी मैं मक्कार के कलेक्शन को लेकर लेटेस्ट जानकारी दी है. मानव के मुताबिक रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर तू झूठी मैं मक्कार ने अब तक वर्ल्डवाइड 201 करोड़ की धमाकेदार कमाई कर डाली है. इसके साथ ही इंडियन बॉक्स ऑफिस पर भी तू झूठी मैं मक्कार का कलेक्शन 130 करोड़ और कुल ग्रॉस 161 करोड़ के पार पहुंच गया है. इस तरह से साफतौर पर ये कहा जा सकता है कि तू झूठी मैं मक्कार सुपरहिट फिल्म बन चुकी है. मानव मंगलानी ने तू झूठी मैं मक्कार के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ-साथ ओवरसीज बिजनेस की भी जानकारी दी है. जिसके चलते

रणबीर कपूर स्टारर तू झूठी मैं मक्कार ने विदेश में 40 करोड़ की बंपर कमाई कर ली है. कुल मिलाकार कहा जाए तो तू झूठी मैं मक्कार को इंडिया के साथ-साथ विदेश में भी दर्शकों को भरपूर प्यार मिला है.

उर्फी जावेद के फैशन सेंस की करीना कपूर ने की तारीफ

रिएलिटी शो बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में छाई रहती हैं. उनकी यूनीक स्टाइल को बहुत पसंद किया जाता है. हालांकि, वह कई बार अपने अजीबोगरीब कपड़ों को लेकर ट्रोल का भी शिकार हो जाती हैं. अब करीना कपूर ने उर्फी जावेद के फैशन स्टाइल की जमकर तारीफ की है, जिस पर उर्फी ने अपना रिएक्शन दिया है. बातचीत के दौरान करीना कपूर ने उर्फी जावेद के फैशन स्टाइल की खूब तारीफ की. उन्होंने कहा, मैं उर्फी जितनी हिम्मती नहीं हूं, लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत बहादुर और बेहद साहसी हैं. फैशन, एक्सप्रेशंस और फ्रीडम ऑफ स्पीच के बारे में है. मुझे लगता है कि वह जिस कॉन्फिडेंस के साथ यह करती हैं, उसमें वह बहुत कूल और शानदार लगती हैं. वह जैसा चाहती है वैसा ही करती हैं और यही तो फैशन है. अगर आप अपनी बॉडी को लेकर कम्फर्टेबल हैं तो आप जैसे हैं वही करते हैं. मुझे उनका कॉन्फिडेंस पसंद है. मैं एक कॉन्फिडेंट लड़की हूं. मैं उनके कॉन्फिडेंस की दाद देती हूं. करीना कपूर से अपनी तारीफ सुनने के बाद उर्फी जावेद खुशी से फूले नहीं समा रही हैं. उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि करीना ने उनके फैसन स्टाइल को सराहा है. उर्फी जावेद ने तुरंत सोशल मीडिया पर करीना कपूर के स्टेटमेंट पर अपना रिएक्शन दिया है. उर्फी जावेद ने ट्वीट करते हुए लिखा, क्या करीना कपूर ने कहा कि वह मुझे पसंद करती हैं। वाऊ क्या ये सच में हो रहा है. दिलचस्प बात ये है कि इससे पहले करीना कपूर के चैट शो में रणबीर कपूर ने बताया था कि उन्हें उर्फी जावेद फैशन सेंस बिल्कुल भी पसंद नहीं है. एक्टर ने कहा, मैं इस तरह के फैशन का बड़ा फैन नहीं हूं लेकिन मेरा मानना है कि हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहां पर आप खुद को लेकर सजह है तो फिर ठीक है. इसके बाद करीना पूछती हैं गुड टेस्ट या फिर बैड टेस्ट इसके जवाब में एक्टर कहते हैं, बैड टेस्ट.

एक नजर...

हड़ताल के नौवें दिन आशा कार्यकर्ताओं ने कीर्तन किया तथा शिवराज सरकार के खिलाफ नारेबाजी की

दैनिक मौरैना केसरी, (पवन कुमार शर्मा)

ग्वालियर। जिला मुख्यालय अंतर्गत फूलबाग पर चल रहे आशा कार्यकर्ताओं के धरना प्रदर्शन के नौवें दिन आशा कार्यकर्ताओं ने नवरात्रि के दूसरे दिन कीर्तन किया तथा मां भवानी से शिवराज सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की..

1.. उसके बाद समस्त आशा कार्यकर्ताओं ने शासन और शिवराज के प्रति नारेबाजी की

2.. उसी बीच कांग्रेश के प्रदेश महासचिव प्रेम नारायण यादव जी द्वारा आशाओं का ज्ञापन दिया गया समस्त आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगो के बारे में उनको बताया के शासन से हमारी लड़ाई 2018 से चली आ रही है मगर अभी तक हमारा कोई मानदेय फिक्स नहीं किया गया जो की छवि भारद्वाज जी द्वारा आशा को 10000 और सहयोग नियम को 15000 दिया जाएगा।

3.. शिवराज की सद्बुद्धि के लिए समस्त आशा कार्यकर्ता सेवा नगर साई मंदिर पर चादर चढ़ा के आई एवं अपने नियमितीकरण की बाबा से अपील की

4.. उसके बाद समस्त आशा कार्यकर्ता फूलबाग धरना स्थल पर आई मध्य प्रदेश आशा सहयोगिनी श्रमिक संघ, जिला अध्यक्ष जिला रायपुरिया, जिला महामंत्री रजनी मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष साधना शर्मा, कोषाध्यक्ष पुष्पा साहू, कार्यकारिणी अध्यक्ष रजनी गुप्ता, सहयोगिनी शारदा गुर्जर, वीरपुर ब्लॉक माधवीदीदी, अनीता नागोरी, चंद्रप्रभा शर्मा, रूबी राठौर, मीडिया प्रभारी मीन खान।

श्रद्धालुओं से भरी ट्रेक्टर ट्रॉली पलटी, 9 लोग घायल

ग्वालियर। दतिया से रतनगढ माता के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रेक्टर ट्रॉली देवगढ़ गांव के पास घाटी पर अनियंत्रित होकर पलट गयी, जिसमें 9 लोग घायल हो गए। हादसा होते सड़क पर चीख पुकार मच गई। आसपास के राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद ग्वालियर के बेहट थाना प्रभारी दिलीप समाधिया तत्काल ही मौके पर पहुंचे और बिना देर किए खुद अपने ही हाथों में घायलों को उठाकर निजी वाहनों और ऐंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। सभी घायल ग्वालियर के बिजौली क्षेत्र के रतबई गांव के रहने वाले बताए गए है। बेहट थाना प्रभारी दिलीप समाधिया के मुताबिक हादसा होने के कुछ देर बाद ही बिना समय गंवाए वो मौके पर पहुंच गए, जिससे तत्काल ही घायलों को इलाज के लिए रवाना कर दिया गया। घायलों का ग्वालियर के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनाः ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में पाँच स्थानों पर 31 मार्च को लगेंगे शिविर

ग्वालियर। महिला सशक्तिकरण के लिये प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना÷ के तहत बहनों की ई-केवायसी कराने और फॉर्म जमा करने के लिये ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में 31 मार्च को पाँच स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिविरों में स्वयं उपस्थित रहकर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से अधिक से अधिक बहनों को लाभान्वित कराने के उद्देश्य से ई-केवायसी एवं फार्म जमा करने का कार्य करायेंगे। यह शिविर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्र.-8 में चौड़ के हनुमान मंदिर, वार्ड क्र.-6 में बम भोले की बगिया, वार्ड-5 में सिद्धबाबा का मंदिर कृष्णानगर पहाड़िया, वार्ड-10 में सार्वजनिक धर्मशाला तथा वार्ड-9 में कल्लूबाबा की बगिया, राजा का मंडी तिराहे पर आयोजित होगा। शिविर प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होंगे। शिविर में सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा उपस्थित रहकर लाड़ली बहना योजना का लाभ अधिक से अधिक बहनों को उपलब्ध कराने का कार्य कराया जायेगा।

कलेक्टर ने किया लाडली बहना योजना के कंट्रोल रूम का निरीक्षण

ग्वालियर । मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन से संबंधित सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के उद्देश्य से बाल भवन में कंट्रोल रूम बनाया गया है। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने गुरूवार को बाल भवन पहुँचकर कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। शहरी क्षेत्र के लिये बाल भवन में बनाए गए कंट्रोल रूम का फोन नं. 0751-2438266 है। कलेक्टर सिंह ने कंट्रोल रूम में तैनात शासकीय सेवकों को निर्देश दिए कि कंट्रोल रूम में लाड़ली बहना योजना एवं ई-केवायसी इत्यादि से संबंधित समस्या को लेकर कोई फोन आता है तो उस समस्या को नोट कर करें और संबंधित अधिकारी के माध्यम से त्वरित निराकरण भी करायें। उन्होंने पूरी मुस्तैदी के साथ कंट्रोल रूम में ड्यूटी करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

ग्वालियर विधानसभा में लाड़ली बहना योजना कंट्रोल रूम का हुआ शुभारंभ

ग्वालियर। 16 ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गुरुवार को लाडली बहना हितग्राहियों को मदद करने एवं 19 वार्डों में लाडली बहना योजना कैम्पों में बेहतर समन्वय बनाकर लाड़ली बहना योजना को गति प्रदान करने के लिए 16 ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कन्ट्रोल रूम भाजपा जनसंपर्क कार्यालय 7 नं. चौराहा मुरार पर भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी द्वारा फीता काटकर विधिवत् शुभारंभ किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अभय चौधरी ने कहा कि लाडली बहना योजना के तहत फार्म भरने के लिए महिलाएं परेशान ना हो इसके लिए आ कंट्रोल रूम का शुभारंभ हुआ है। मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा शुरू की गई लाडली बहना योजना का लाभ पात्र महिलाओं को सही तरीके से मिले इसके लिए कंट्रोल रूम निर्मित किए गया हैं। कंट्रोल रूम पर योजना से जुड़ी संपूर्ण जानकारी कोई भी महिला कॉल करके प्राप्त कर सकती है।

इस मौके पर म.प्र बीज निगम के अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल, विधानसभा प्रभारी पारस जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष रामेश्वर भदौरिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुमन शर्मा, जिला जितेन्द्र गुर्जर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रतीक तिवारी, राकेश खुरासिया, मण्डल महामंत्री मनीष भिलवार, बंटी त्यागी, रामप्रकाश परमार, अविनाश यादव, राजेश्वर राव, हरी सिंह तोमर, दिनेश शर्मा, रमाकांत महते, मोनू कंसाना, राजा कौरव, रवि पचैरी, रामनिवास गुर्जर, प्रमोद शर्मा, दिनेश यादव, रेशू राजावत, किरन भदौरिया, शीतल भदौरिया, जबर सिंह, ज्ञानेन्द्र भदौरिया, रोहित शर्मा, सौरव गुप्ता, अनिल सिसोदिया, मोहन सिंह, शैरू गुर्जर, उम्मेद यादव, जय बाथम, सत्तन कुशवाह, विधा देवी कौरव, जुगल गुर्जर, आनन्द गुप्ता अनिल कोशिक, टिंकल शर्मा, शिवराम जाटव, प्रशांत दुबे, पंकज शर्मा, नरेन्द्र खटीक, वर्षा सुमन, गीता मेवाफरोश, नेहा शर्मा, प्रत्युष राजावत, राहुल गुर्जर, दिनेश श्रीवास, रितिक सोलंकी, लाला उपाध्याय, अनिल वर्मा, रवि धाकड, नितिन वर्मा, संजय गोस्वामी, मुकेश तोमर, विकास अग्र सहित भारतीय जनता पार्टी के सैकडों ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

घर-घर जाकर करें लाडली बहना योजना के लिए ई-केवायसीः कलेक्टर

ग्वालियर। जिस प्रकार वोटर कार्ड में आधार लिंक करने का कार्य हो रहा है, उसी प्रकार सर्वोच्च प्राथकिता के साथ समग्र आईडी व आधार मिलान (ई-केवायसी) का कार्य भी करें। साथ ही हर दिन कितनी ई-केवायसी की हैं उसकी जानकारी गूगल शीट पर अवश्य भरें। ई-केवायसी का कार्य सरकार की विशेष प्राथमिकता में है, इसलिए इस काम में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस आशय के निर्देश कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने ई-केवायसी के प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी बीएलओ को दिए। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं की ईकेवायसी के लिये ग्वालियर जिले में व्यापक स्तर पर शासकीय सेवकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को बाल भवन के सभागार में बीएलओ को लाडली बहना योजना की ई-केवायसी किये जाने की बारीकियाँ सिखाई गईं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल, अपर आयुक्त नगर निगम विजय राज व मुकुल गुप्ता तथा एसडीएम प्रदीप तोमर, विनोद सिंह, अशोक चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा कि ई-केवायसी युद्ध स्तर पर की जाना है, तभी हम लाडली बहना योजना का लाभ सभी पात्र महिलाओं को दिला पायेंगें। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में बीएलओं की ड्यूटी है उसी क्षेत्र में घर-घर जाकर ई-केवायसी करना है। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से लागू की गई है। इसलिए हम सबका दायित्व है कि हर पात्र महिला को इस योजना का लाभ मिल जाए।

प्रशिक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने कहा कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हर परिवार से जुड़ी किसी न किसी महिला को इस योजना का लाभ मिलना है। इसलिए ई-केवायसी के कार्य को व्यक्तिगत काम मानकर करेंगें तो ई-केवायसी का कार्य शीघ्रता से हो सकेगा। उन्होंनें बताया कि ई-केवायसी का काम लोक सेवा केन्द्र, एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर एवं घर पर समग्र पोर्टल से कर सकते हैं। बीएलओ को हर घर में जाकर मोबाईल के माध्यम से समग्र पोर्टल पर महिलाओं की ई-केवायसी करना है।

खुशियों की दास्तां: अब जियो लाडली बहना, बड़ी चलो लाडली बहना

ग्वालियर। अपने-अपने तरीकों व अंदाज से जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शासकीय सेवक एवं समाज के प्रबुद्धजन मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने में सहभागी बन रहे हैं। ग्वालियर जिले के विभिन्न विकासखंडों में पदस्थ मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र ने लोकगीत ÷अब जियो लाडली बहना, बड़ी चलो लाडली बहना को इस योजना के प्रचार का माध्यम बनाया है। ग्रामीण महिलाओं को जनसेवा मित्रों का यह अद्भुत और अनौखा अंदाज खूब भा रहा है। महाष्टमी व रामनवमी का त्यौहार महिलाओं और बहनों के लिए विशेष महत्व रखता है। इस भाव के अनुरूप ग्वालियर जिले के विकास खण्ड मुरार की मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र सुश्री अंजली गौतम बुधवार को सुबह से ही जिले के करगवां गांव में माता के दर्शन के लिए आ रहीं महिलाओं के बीच पहुँच गई। उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना पर केन्द्रित एक लोक गीत का सामूहिक गायन महिलाओं के बीच बैठकर किया। साथ ही इस योजना की महत्वपूर्ण जानकारी महिलाओं के साथ साझा की। अद्भुत अंदाज में लाडली बहन योजना की जानकारी पाकर महिलाओं की खुशी और उत्साह देखते ही बना। इस अवसर पर बहनों ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार जताया। साथ ही अपने क्षेत्र के गाँवों की बहनों को जागरुक करने का वादा भी किया।

ई-केवायसी एवं मुख्यमंत्री लाड़ली बहना के पंजीयन में तेजी लाने के लिए विशेष प्रयास जारी

ग्वालियर । मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत ई-केवायसी और ऑनलाइन पंजीयन के काम में तेजी लाने के लिये गुरूवार को ग्वालियर शहर से लेकर जिले के विभिन्न विकासखंडों व नगरीय निकायों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ई-केवायसी और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना के पंजीयन के काम में बीएलओ, जन अभियान परिषद से जुड़ी प्रस्फुटन व नवांकुर समितियाँ, मुख्यमंत्री इंटर्नशिप वॉलेन्टियर एवं आजीविका मिशन से जुड़ीं दीदियाँ भी सहभागिता निभायेंगे। इस सिलसिले में भितरवार में इन सभी को प्रशिक्षित किया गया। इसी तरह जनपद पंचायत बरई के सभागार में बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। भितरवार में आयोजित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीएम अश्विनी रावत व तहसीलदार श्रीमती शिवानी पाण्डेय व अन्य अधिकारियों ने ई-केवायसी और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के फॉर्म भरने की बारीकियाँ सिखाईं। इसी तरह बरई में एसडीएम अनिल बनवारिया की मौजूदगी में आयोजित हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड घाटीगाँव के बीएलओ व विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। भितरवार के प्रशिक्षण में जनअभियान परिषद के विकासखंड समन्वय अधिकारी मनोज दुबे ने जानकारी दी कि गाँव-गाँव में प्रस्फुटन व नवांकुर संस्थाएँ ई-केवायसी के काम में सहयोग कर रही हैं।

बहोड़ापुर तिराहे पर नियमित राष्ट्र गान में ऊर्जा मंत्री तोमर ने भगवान राम का पूजन किया

ग्वालियर। स्वच्छ भारत का रखें ध्यान- बस 1 मिनट रुकें राष्ट्र के नाम नियमित राष्ट्र गान इकत्तीस वें दिन ठीक प्रातः 08.15 पर भारत विकास परिषद सहयोग शाखा के पदाधिकारियों, ने राष्ट्र गान परिवार के सहयोगियों एवं क्षेत्रीय बंधुओं ने काफी संख्या में एक मिनट राष्ट्र गान में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को उर्जा प्रदान की. भारत विकास परिषद सहयोग शाखा ग्वालियर के अध्यक्ष राजकुमार गर्ग के अनुसार आज दिनांक 30 मार्च 2023 गुरुवार आज रामनवमी के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर विशेष रूप से उपस्थित हुए, साथ ही हमारे प्रांतीय महामंत्री अनूप अग्रवाल, संस्थापक अशोक गर्ग के साथ सामूहिक रूप से सभी ने भगवान श्रीराम का पूजा अर्चना की एंव प्रसाद वितरण किया गया. आज कार्यक्रम में गिरराज प्रसाद अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, रामनाथ अग्रवाल, किशनलाल गर्ग, जगमोहन अग्रवाल, मनोज गर्ग, महेंद्र गर्ग, चंद्र कुमार जैन, संजय अग्रवाल, विशन कुमार गर्ग, सुरेश माहेश्वरी, विजेंद्र परमार, कोमल सिंह, मुरली, आशुतोष सिंघल, दिग्विजय सिंह, धीरेन्द्र सिंह, दिनेश गर्ग, जगमोहन सक्सेना, अजय मित्तल, सुनील गोस्वामी, अजय नायक, गोपाल जैन, डॉ रामजी दास गोयल, दिलीप बंसल, एन. सी. श्रीवास्तव, पवन सिंघल, अरुण सक्सेना, दीपक शर्मा, राजू चतुर्वेदी, पवन गोयल,दिलीप पांडे, वेद प्रकाश मित्तल, डॉ एच पी अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल, ब्रजकिशोर शर्मा, पवन गर्ग, एम डी गोर, देवेंद्र पांडे, प्रशांत गोयल, राकेश गुप्ता, मलखान सिंह तोमर, संजीव जादौन, संतोषी लाल शर्मा, दिलीप मिश्रा के साथ काफी संख्या में परिषद के पदाधिकारियों, एवं क्षेत्रीय बंधुओं ने राष्ट्र गान और भगवान राम की पूजा अर्चना के बाद परसादी ग्रहण की. मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बहोड़ापुर तिराहे पर 28 फरवरी से नियमित चल रहे राष्ट्र गान की प्रशंसा करते हुए सभी को बधाई दी, एवं सुभाष अग्रवाल के निवास पर पहुँच कर सभी के साथ सूक्ष्म भेंट कर रामनवमी की बधाई दी.

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478